dinbandhunews.com dinbandhunews.com/epaper Twiter.com facebook.com Instragramcom

दैनिक
दीन बन्धु
राजधानी का अखबार

RNI.NO. MPHIN/2012/42537
भोपाल, शुक्रवार
18.07.2025
वर्ष : 13
अंक : 208
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-
युगाब्द 5127
विक्रम संवत 2082

स्वच्छता सर्वेक्षण : भोपाल ने एक साल में 3 पायदान की लगाई छलांग, बना देश में दूसरे नंबर का साफ शहर

इंदौर फिर बना देश का सबसे साफ शहर, दूसरे नंबर पर सूरत

8 वीं बार इंदौर को मिला स्वच्छता का ताज

स्वच्छता में उज्जैन, जबलपुर, देवास, ग्वालियर, बुधनी शामिल

भोपाल/नई दिल्ली। मध्यप्रदेश का स्वच्छता सर्वे-2024 की अलग-अलग श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन रहा। 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की सुपर स्वच्छ लीग सिटी कैटेगरी में इंदौर एक बार फिर नंबर वन बना है। वहीं, 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहरों की लीग में उज्जैन चौथे पायदान पर रहा। इसी तरह, 20 हजार से कम आबादी की कैटेगरी में बुधनी ने पांचवां स्थान हासिल किया। वहीं, सामान्य स्वच्छता रैंकिंग में अहमदाबाद पहले और भोपाल दूसरे स्थान पर रहा। जबलपुर नंबर 5 और ग्वालियर 14 नंबर पर रहा। 50 हजार से 3 लाख आबादी वाले शहरों में देवास ने देशभर में टॉप रैंकिंग पाई। जबकि 20 हजार से कम आबादी की श्रेणी में मध्यप्रदेश का ही शाहगंज तीसरे स्थान पर रहा।

मध्यप्रदेश अब स्वच्छता में देश का बना अग्रदूत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में मध्यप्रदेश ने एक बार फिर विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देशभर में स्वच्छता की नई मिसाल कायम की है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के सम्मान समारोह में इंदौर को सुपर स्वच्छ लीग सिटीज़ श्रेणी में देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में सम्मानित किया जाना प्रदेशवासियों के लिए अत्यंत गर्व का विषय है. उल्लेखनीय है कि विगत 7 वर्षों से स्वच्छ शहरों की श्रेणी में इंदौर ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया था. इंदौर के साथ भोपाल, देवास, शाहगंज, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन एवं बुधनी को भी विभिन्न श्रेणियों में स्वच्छता पुरस्कार प्राप्त होना इस बात का प्रमाण है कि पूरा मध्यप्रदेश अब स्वच्छता में देश का अग्रदूत बन चुका है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस सफलता के लिए प्रदेश के समस्त स्थानीय निकायों के नागरिकों, विशेषकर स्वच्छताकर्मियों, जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को स्पेन यात्रा के दूसरे दिन जारी संदेश में यह बात कही. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वच्छ लीग अवार्ड में धार्मिक नगरी उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में शीर्ष स्थान मिला है। इसी प्रकार 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में बुदनी सर्वश्रेष्ठ शहर बना है। जबकि 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में भोपाल दूसरे, जबलपुर पांचवें और ग्वालियर 14वें स्थान पर रहा है।

भोपाल शहर खुशी का माहौल

देश का दूसरा सबसे साफ शहर बनने पर खुशी का माहौल रहा। नगर निगम के माता मंदिर स्थित दफ्तर में जश्न मनाया गया। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने सफाई मित्रों को माला पहनाकर सम्मान किया और लड्डू खिलाकर बधाई दी। खुशी में सभी लोग ढोल की थाप पर झूमने लगे। अध्यक्ष सूर्यवंशी ने खुद भी ढोल बजाया। ईधर जोन-16 मीनल रेजिडेंसी में भी दूसरी रैंक मिलने की खुशी में कर्मचारियों ने जश्न मनाया। मिठाई बांटी गई, एक-दूसरे को बधाई दी गई और सभी जमकर थिरके।

भोपाल में कचरे का कलेक्शन और उसका निपटारा

भोपाल शहर में होने वाले कचरे का कलेक्शन और फिर उसका निपटारा करने का प्रबंध किया गया है। भोपाल में हर दिन 517 डीटीडीसी व्हीकल, 719 सीएनजी व्हीकल और 202 रोड स्वीपिंग व्हीकल तैनात हैं। जो पूरे दिन में शहर भर का गीला सूखा कचरा समेटकर उसे कचरा निष्पादन केन्द्र तक पहुंचाते है। कलेक्शन मैकेनिज्म के साथ समानांतर रूप से वेस्ट प्रोसेसिंग का इंतजाम किया गया है। इसके लिए भोपाल में हर दिन उत्सर्जित कचरे के प्रकारों और उसकी मात्रा का पहले आंकलन किया जाता है। 250 नए सीएनजी डोर टू डोर वाहन, 6 मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग वाहन जैसे इंतजाम इसी साल से किए गए। जिससे डोर टू डोर कचरा कलेक्शन 100 प्रतिशत हो सके।

10 लाख से ज्यादा आबादी कैटेगरी में इंदौर

इंदौर एक बार फिर देशभर में स्वच्छता के क्षेत्र में सबसे आगे रहा। सुपर स्वच्छ लीग सिटी में इंदौर को देशभर में पहला स्थान मिला है। यह अवॉर्ड 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की कैटेगरी में दिया गया। एमपी के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ये अवॉर्ड दिया।

प्रदेश के अन्य शहरों ने भी परचम लहराया

स्वच्छ सर्वेक्षण-2024-25 में 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में भोपाल दूसरे, जबलपुर 5वें और ग्वालियर 14 वें स्थान पर आया है। प्रदेश के 203 शहरों को स्टार रेटिंग प्रमाणीकरण मिला, जिसमें विगत वर्ष के 157 शहरों से 12न अधिक शहरों ने स्टार रेटिंग प्राप्त की। सर्वेक्षण में भोपाल, इंदौर, जबलपुर को 7 स्टार, देवास, रीवा और सतना को 5 स्टार रैंक प्राप्त हुई है। प्रदेश के 36 शहरों को 3 स्टार और 161 शहरों को एक स्टार रैंक मिली है। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने प्रदेश के शहरों का स्वच्छता के मामले में श्रेष्ठ प्रदर्शन को सफाई मित्रों की मेहनत का फल बताया।

देश का दूसरा सबसे साफ शहर बना भोपाल

निगम अध्यक्ष ने बजाया ढोल, बारिश में भी थिरके कर्मचारी

भोपाल ■ ब्यूरो

भोपाल को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में देश का दूसरा सबसे साफ शहर घोषित किया गया है। यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में दिया। भोपाल ने इस बार तीन स्थान की छलांग लगाई है और 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की कैटेगरी में दूसरा स्थान हासिल किया है। पुरस्कार लेने के लिए भोपाल की महापौर मालती राय और निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण बुधवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने बताया कि छह साल बाद भोपाल फिर से टॉप-2 में आया है, इसलिए शहर में जश्न भी बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। स्वच्छता मित्रों और नागरिकों के साथ मिलकर लड्डू बांटे जाएंगे और सम्मान का जश्न मनाया जाएगा।

भोपाल को 12,067 अंक मिलें, 7 स्टार रैंकिंग भी मिली

कचरा मुक्त शहरों की श्रेणी में भोपाल को 7 स्टार रैंकिंग भी मिली है। वहीं, भोपाल ने देश की सबसे स्वच्छतम राजधानी होने के साथ ही वाटर+ सिटी का गौरव भी बरकरार रखा है। रीड्यूज, रियूज, रिसायकल थीम पर हुए स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में भोपाल नगर निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण में निर्धारित 10 हजार अंकों में से 9567 अंक और सर्टिफिकेशन के लिए निर्धारित 2500 अंकों में से पूरे अंक प्राप्त किए। इस प्रकार 12 हजार 500 अंकों में से भोपाल शहर ने 12 हजार 067 अंक अर्जित करते हुए 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में दूसरा और प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

इन वजहों से नंबर-2 पर आया भोपाल

- बता दें कि शहर में हर रोज 850 टन सूखा और गीला कचरा निकलता है। इनमें से करीब साढ़े चार सौ टन कचरा गीला होता है। इसे डोर-टू-डोर एकत्रित किया जाता है। सैनेटरी वेस्ट 5 टन और 52 टन प्लास्टिक का कचरा भी निकता है। ई-वेस्ट करीब 1.5 टन प्रतिदिन है।
- भोपाल में 517 डीटीडीसी व्हीकल, 719 सीएनजी व्हीकल और 202 रोड स्वीपिंग व्हीकल तैनात हैं, जो पूरे दिन में शहर भर का गीला सूखा कचरा समेटकर उसे कचरा निष्पादन केंद्र तक पहुंचाते हैं।
- मंदिरों से हार-फूल भी एकत्रित करता है निगम बता दें कि निगम मंदिरों से भी हार फूल एकत्रित करता है। जिसका खाद बनाया जाता है। गणेश उत्सव और नवदुर्गा उत्सव के दौरान वार्ड वाइज कचरा गाड़ियां चलाई जाती है।
- निगम के पास ये संसाधन-निगम के पास 250 नए सीएनजी डोर-टू-डोर वाहन, 6 मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग जैसे वाहनों का इंतजाम इसी साल किया गया है। इस वजह से अब डोर-टू-डोर कचरा एकट्ठा करने में परेशानी भी नहीं आ रही है।
- वहीं, कचरे के निपटारे के लिए वैज्ञानिक तरीके से पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड पर कई प्रोसेसिंग प्लांट लगाएं गए हैं। एनटीपीसी का टोरिफाइड चारकोल प्लांट देश में बनारस के बाद दूसरा भोपाल में लग रहा है। भोपाल ने इस वर्ष

टेक्सटाइल वेस्ट, हॉर्टिकल्चर ग्रीन वेस्ट, कोकोनट वेस्ट ,थर्माकोल वेस्ट के पूर्ण रिसायकल के प्लांट लगाए हैं। एकसाथ इतने प्लांट वाला भोपाल देश का संभवत पहला शहर है।

- 143 पब्लिक टॉयलेट बनाए-खुले में शौच से मुक्ति के लिए भोपाल में 143 पब्लिक टॉयलेट हैं। इसके अलावा सामुदायिक शौचालयों की संख्या 62 है। इसमें भी जेंडर का ध्यान रखते हुए महिलाओं के लिए शी लाउंज भी बनाए गए हैं। थर्ड जेंडर की सुविधा के मद्देनजर वेटिंग रूम के साथ पुराने भोपाल के इलाके में थर्ड जेंडर के लिए टॉयलेट संचालित हैं।
- शहर में 5 स्थानों पर गारबेज ट्रांसफर स्टेशन शुरू किए गए हैं। यह अल्ट्रा मॉर्डन गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन हैं। कुल 17.74 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए इन स्टेशन में कचरा अलग-अलग करके प्रोसेसिंग प्लांट में भेजा जाता है।

ब्रीफ न्यूज

आकाश प्राइम डिफेंस सिस्टम का भारत ने किया सफल टेस्ट

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने लद्दाख में स्वदेशी रूप से विकसित एयर डिफेंस सिस्टम आकाश प्राइम का सफल परीक्षण किया। डीआरडीओ ने इसका वीडियो गुरुवार को जारी किया। इस एडवांस मिसाइल सिस्टम को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने विकसित किया है। इस सिस्टम से पूर्वी लद्दाख में यह 15,000 फीट (4500 मीटर) से अधिक की ऊंचाई पर उड़ रहे दो ड्रोन मार गिराए। आकाश प्राइम, आकाश वेपन सिस्टम का नया और एडवांस वर्जन है। इसे ऊंचाई और कम ऑक्सीजन वाले इलाकों में इस्तेमाल करने के लिए बनाया गया है। सिस्टम के हरेक लॉन्चर में तीन मिसाइलें हैं, जो दागो और भूल जाओ मोड में काम करती हैं। ये मिसाइलें लगभग 20 फीट लंबी और 710 किग्रा वजनी हैं।

खुलासा : ईरान के तीन परमाणु ठिकाने नहीं, सिर्फ एक ही हुआ था नष्ट

तेहरान। पिछले महीने इजरायल-ईरान युद्ध के दौरान अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु स्थलों पर बमबारी करके उन्हें तबाह करने की कोशिश की थी। इस मामले में एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तीन ठिकानों में सिर्फ एक (फोर्दो) को ही नुकसान पहुंचा, जोकि अमेरिका के किसी झटके से कम नहीं है। अमेरिकी मीडिया हाउस एनबीसी ने अमेरिकी आकलन रिपोर्ट के हवाले से गुरुवार को पोल खोलते हुए बताया है कि पिछले महीने ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमलों में तीन में से सिर्फ एक ही नष्ट हुआ, जिसकी वजह से वहां काम काफी पीछे चला गया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान पर हमला करने के लिए काफी व्यापक योजना तैयार की थी।

मुख्यमंत्री यादव की स्पेन यात्रा का दूसरा दिन, सीएम बोले

मध्यप्रदेश बनेगा वैश्विक वस्त्र विनिर्माण का नया केंद्र

स्पेन ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इन दिनों विदेश दौरे पर हैं। गुरुवार को मुख्यमंत्री की स्पेन यात्रा के दूसरे दिन का फोकस वैश्विक कपड़ा एवं फैशन क्षेत्र के दिग्गजों से निवेश और संवाद का रहा। स्पेन के गैलिसिया स्थित इंडिटेक्स मुख्यालय में हुई बैठक में सीएम ने मध्यप्रदेश को हरित, लागत-प्रतिस्पर्धी और ट्रेसिबल उत्पादन हब के रूप में प्रस्तुत किया। बैठक में इंडीटेक्स समूह के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यापारिक साझेदारी और निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार टेक्सटाइल क्षेत्र में वैश्विक साझेदारियों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इंडिटेक्स जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड की उपस्थिति से राज्य में आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और हरित उत्पादन को गति मिलेगी। हम इस साझेदारी को सभी स्तरों पर समर्थन देने को तत्पर हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश देश के शीर्ष कच्चा कपास उत्पादक राज्यों में से एक है, जहां सालाना लगभग 18 लाख बेल्स (3 लाख मीट्रिक टन) का उत्पादन होता है। राज्य में 15 से अधिक टेक्सटाइल क्लस्टर हैं इसमें इंदौर, मंदसौर, बुरहानपुर, उज्जैन, नीमच जैसे केंद्र टेक्सटाइल उत्पादन में अग्रणी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि धार जिले में भारत सरकार की पीएम मित्रा योजना के अंतर्गत विकसित हो रहा टेक्सटाइल मेगा पार्क इंडिटेक्स जैसे वैश्विक ब्रांडों के लिए सस्टेनेबल और इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग का आदर्श केंद्र बन सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पार्क में गारमेंटिंग यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव रखा।

ऑर्गेनिक कॉटन में भागीदारी का आह्वान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश भारत का अग्रणी ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादक है। राज्य में यहां विशेषकर निमाड़ और मालवा क्षेत्रों में बहुतायत में कॉटन का उत्पादन होता है। यहाँ बहुअर-सर्टिफाइड किसान समूह सक्रिय हैं, जो इंडिटेक्स की सस्टेनेबिलिटी और ट्रेसिबिलिटी नीतियों के लिए आदर्श साझेदार हो सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फार्मर-टू-फैब्रिक वैल्यू चेन पर इंडिटेक्स के साथ मिलकर काम करने का सुझाव दिया।

बच्चों को समय-समय पर प्रतिभा प्रदर्शित करने मंच प्रदान किया जाना चाहिए : मंत्री सुश्री भूरिया

भोपाल ■ ब्यूरो

महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की उपस्थिति में भोपाल स्थित जवाहर बाल भवन में गुरूवार को ÷मुख्यमंत्री बाल खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव 2025 का समापन समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ÷बच्चों को समय-समय पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलना चाहिए। यह मंच केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का अवसर है। कार्यक्रम में सुश्री भूरिया ने प्रतिभागी बच्चों के आत्मविश्वास और उत्साह की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सराहनीय पहल है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इस अभिनव प्रयास की भी सराहना की और बच्चों को सीखने, आनंद लेने और एक-दूसरे से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि महोत्सव के तहत 20 जून से 20 जुलाई 2025 तक प्रदेशभर में संचालित बालगृहों में खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। जिले और संभाग स्तर पर संपन्न इन प्रतियोगिताओं में 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने भाग लिया। कुल मिलाकर 40 विधाओं में 286 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के 8 बालगृहों से आए बच्चों के बीच विविध आयु वर्गों में खेल जैसे लॉन्ग जंप, 100 मीटर दौड़, शतरंज, खो-खो, कबड्डी, केरम और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। संभाग स्तरीय विजेताओं को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चयनित किया गया है।

पेट्रोलियम मंत्री बोले : पेट्रोल डीजल के दाम घट सकते हैं

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हो सकते हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अगर कच्चे तेल की कीमत लंबे समय तक 65 डॉलर प्रति बैरल पर बनी रहती हैं, तो उम्मीद कर सकते हैं कि अगले 2-3 महीनों में पेट्रोल-डीजल के दाम में कटौती हो। ये बात उन्होंने दिल्ली में चल रही 'ऊर्जा वार्ता 2025' में कही। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह स्थिर स्थिति पर निर्भर करता है। अगर कोई बड़ा भू-राजनीतिक घटनाक्रम, जैसे ईरान-इजराइल तनाव होता है, तो स्थिति बदल सकती है। दरअसल, तेल की कीमतें हाल 65 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई हैं, जिससे ऑयल मार्केटिंग कंपनियों मुनाफा बढ़ रहा है। ऐसे में सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम घटाकर जनता को राहत दे सकते हैं।

फडणवीस से मिले उद्धव : दावा नेता विपक्ष पद पर चर्चा की

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की।ठाकरे ने विधान परिषद अध्यक्ष राम शिंदे के कक्ष में फडणवीस से मुलाकात की। लगभग आधे घंटे तक चली इस मुलाकात में उद्धव के बेटे और वर्ली विधायक आदित्य ठाकरे भी मौजूद थे। यह मुलाकात फडणवीस के तरफ से उद्धव को दिए ऑफर के एक दिन बाद हुई। जिससे राजनीतिक अटकलें शुरू हो गई हैं। कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि दोनों की बीच मुलाकात नेता विपक्ष के पद को लेकर हुइ है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे का विदाई समारोह बुधवार को हुआ था। इसी दौरान मुख्यमंत्री ने व्यंग्य करते हुए उद्धव ठाकरे से कहा कि भाजपा उनके साथ विपक्ष में शामिल होने की संभावना नहीं रखती, लेकिन वह सत्ता पक्ष में आ सकते हैं।

अमरनाथ रूट पर लैंडस्लाइड से महिला की मौत, यात्रा रुकी

श्रीनगर/लखनऊ। यूपी में भारी बारिश का दौर जारी है। गुरुवार को प्रयागराज में गंगा-यमुना उफान पर हैं। नदियों के आसपास की 5 लाख आबादी पानी से घिर गई है। श्मशान घाट में पानी भर गया है। सड़कों पर अंतिम संस्कार किया जा रहा है। उधर, जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश की वजह से बुधवार को अमरनाथ यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड हुई। गंदेरबल जिले में बालटाल मार्ग पर हुए भूस्खलन में एक महिला तीर्थयात्री की मौत हो गई, तीन घायल हो गए। इससे यात्रा दिनभर के लिए रोक दी गई। हिमाचल में 20 जून से अब तक 109 लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाओं से 818 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति का नुकसान हो चुका है।

ब्रीफ न्यूज़

डाकघरों में आईटी 2.0 एप्लीकेशन का रोलआउट, 21 जुलाई को 30 डाकघरों में नहीं होगा सार्वजनिक लेनदेन

भोपाल। डाक विभाग डाक घरों में अगली पीढ़ी के अढळ एप्लीकेशन का रोलआउट करने जा रहा है। इस उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्बाध और सुरक्षित बदलाव को लागू करने के लिए, दिनांक 21. जुलाई 2025(सोमवार) को एक नियोजित डाउनटाइम निर्धारित किया गया है। 21.जुलाई.2025 को उपरोक्त डाकघरों में कोई सार्वजनिक लेनदेन नहीं किया जाएगा। सेवाओं का यह अस्थायी निलंबन डेटा माइग्रेशन, सिस्टम सत्यापन और कॉन्फि गरेशन प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक है, जिससे नई प्रणाली सुचारू रूप से और कुशलता से लागू हो सके। दरअसल अगली पीढ़ी के अढळ एप्लीकेशन की शुरूआत डिजिटल उत्कृष्टता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में हमारी यात्रा में एक बड़ी छलांग है। इस परिवर्तनकारी पहल के हिस्से के रूप में, उन्नत प्रणाली को भोपाल संभाग में 22. जुलाई 2025 को भोपाल जीपीओ, बी.एच.ई.एल मुख्य डाकघर, 3 ई.एम.ई, राजाभोज एयरपोर्ट, बैरागढ, बरखेड़ी, बेरसिया, बेरसिया रोड, चांदबड़, छोला रोड, दिल्लौद, गांधी मेडिकल कॉलेज, गांधीनगर, हमीदिया रोड, आई.आई.एस.ई.आर, जहाँगीराबाद, जुमेराती, ललरिया, एम.एल नगर, मंडीदीप, एन.डी.सी. भोपाल जीपीओ, नारियलखेड़ा, नजीराबाद, ओबेदुल्लागंज, ओल्ड सेक्रेटरियेट, पीपुल्स कैम्पस, आर.जी.पी.वी, एस.आई लाइन, शाहजहाँनाबाद, सिकन्द्री सराय डाकघरों/उपडाकघरों व इससे सम्बद्ध शाखा डाकघरों में लागू किया जाएगा।

बरसते पानी में सिंदूर और फल दार पौधे लगाए वृक्ष मित्र सुनील दुबे ने

भोपाल। पर्यावरण सखी संस्था ने पुर्व सांसद स्व श्री के.एन. प्रधान तिराहे पर बरसते पानी में सिंदूर और फल दार पौधे अमृत फलआंवला, खिरनी , जामुन और अमलतास के पौधे रोपित कराएं बाल कल्याण बाल साहित्य शोध केन्द्र के निदेशक महेश सक्सेना,प्रमोद प्रधान,डा संजय सक्सेना, डा रुपाली प्रधान वृक्ष मित्र सुनील दुबे शेलेन्द्र शैली, पुष्पराज श्रीवास्तव,डी के जैन अनेकों गणमान्य नागरिकों ने पौधे लगाए औरश्रद्धांजलि देने सैकड़ों की संख्या में भोपाल का जन समुदाय उमड़ पड़ा।

अमरगढ़, कालियादेव सहित अनेक जोखिम पूर्ण स्थानों पर जाना प्रतिबंधित

भोपाल। भोपाल से बड़ी संख्या में पर्यटक सीहोर जिले के

आमरगढ़ वाटरफॉल, दिंगबर वाटरफॉल, कालियादेव वाटरफॉल, बुधनी मिडघाट फॉरेस्ट एरिया, कोलार डैम, झोलियापुर बैराज आगमन होता है। बारिश के दौरान इन स्थलों पर जलप्रवाह अचानक तेज हो जाता है, जिससे कई बार सैलानी पानी में बह जाते हैं या फिसलन भरी चट्टानों से गिरकर घायल हो जाते हैं। बीते वर्षों में हुई जनहानि को दृष्टिगत रखते हुए सीहोर कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए इन जोखिमपूर्ण स्थानों पर नागरिकों तथा सैलानियों का जाना प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने कहा है कि यह प्रतिबंध नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत लगाया गया है। सीहोर कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने सभी नागरिकों एवं पर्यटकों से वर्षा ऋतु के दौरान जीवन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इन स्थानों पर नही जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नागरिकों का जीवन अमूल्य है, सतर्कता और सजगता से ही दुर्घटना को टाला जा सकता है।

ओबीसी एडवाइजरी काउंसिल बैठक में लिए गए ऐतिहासिक फैसले: अरुण यादव

भोपाल। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं म.प्र. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव ने बेंगलुरु में आयोजित कांग्रेस ओबीसी एडवाइजरी काउंसिल की बैठक में भाग लिया और बैठक में लिए गए प्रस्तावों को सामाजिक न्याय की दिशा में मील का पत्थर बताया। श्री यादव ने जानकारी दी कि बैठक में 25 जुलाई 2025 को आयोजित होने वाले ओबीसी महासम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया जिसका उद्घाटन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा किया गया जाएगा एवं समापन अवसर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा किया जाएगा। इसके साथ ही देशभर के राज्यों की राजधानियों में भी ओबीसी नेताओं के साथ नियमित कार्यशालाएं आयोजित करने का निर्णय लिया गया । इन कार्यशालाओं में ओबीसी समुदायों के मुद्दे, अधिकार और जातिगत जनगणना पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैठक में ओबीसी समुदायों से संगठनात्मक और चुनावी दोनों स्तरों पर कांग्रेस नेतृत्व को मजबूत करने का लक्ष्य तय किया गया। इसमें पार्टी कार्यकताओं को सामाजिक न्याय और समावेशी विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लिए प्रशिक्षण देने की योजना पर भी सहमति बनी । श्री यादव ने आगे बताया कि कांग्रेस पार्टी सदैव वंचितों, पिछड़ों और शोषितों की आवाज रही है । ओबीसी समाज को उसका हक दिलाने के लिए कांग्रेस पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। यह महासम्मेलन और प्रस्ताव देश की राजनीति को सामाजिक न्याय के मूल आधार पर पुनः स्थापित करेंगे। ओबीसी एडवायजरी कमेटी द्वारा पारित प्रस्तावों का उद्देश्य ओबीसी समाज की भागीदारी बढ़ाना , जातिगत जनगणना की मांग को ताकत देना साथ ही नेतृत्व विकास और प्रशिक्षण तथा कांग्रेस की विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना रहेगा।

मैजिक ऑफ महेश्वर उत्सव मृगनयनी एम्पोरियम में महेश्वरी कला का जादू

महेश्वर की बुनकर कला परंपरा और संस्कृति को जीवित रखने का माध्यम है

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा निगम की ओर से आयोजित मैजिक ऑफ महेश्वर उत्सव शहरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र बन गया है। जीटीबी कॉम्प्लेक्स स्थित मृगनयनी एम्पोरियम में आयोजित उत्सव में महेश्वर के पारंपरिक बुनकर मो. शावेज हनीफ अंसारी द्वारा तैयार की गई महेश्वरी साड़ियों, दुपट्टों और परिधानों का अनूठा संग्रह प्रदर्शित किया गया है, जिसे देखने और खरीदने के लिए लगातार भीड़ उमड़ रही है। इस आयोजन में राज्य के महेश्वर से आए बुनकर कलाकार ने अपनी कला का

जीवंत प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शनी 21 जुलाई तक चलेगी। महेश्वर की स्थापत्य कला की मिली झलक बुनकर शावेज ने बताया कि महेश्वर सिर्फ एक बुनाई केन्द्र नहीं बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। यहाँ की साड़ियों की बुनाई में महेश्वर के राजमहल, नर्मदा घाट, किले की जालीदार खिड़कियों और मंदिर के स्थापत्य की झलक देखी जा सकती है। उत्सव में आये बुनकरों ने अपने उत्पादों के माध्यम से इस स्थापत्य कला को कपड़ों पर उकेरने का प्रयास किया है, जिसे लोगों द्वारा बेहद सराहा जा रहा है। एम्पोरियम में लगी प्रदर्शनी में रेहटी, लहरिया, रूपम, चमेली, नारायणी, फूलजड़ी और बारामदा बॉर्डर डिजाइन की साड़ियां प्रमुख आकर्षण बनी हुई हैं। इनकी बुनाइयों में महेश्वर के किले के गलियारों और नर्मदा के घाटों की आकृतियां दर्शाई गई हैं। बुनकरों का कहना है कि ये डिजाइन केवल सौंदर्य नहीं बल्कि महेश्वर के गौरव और पहचान का प्रतीक हैं। बुनकर मो. शावेज ने बताया, यह कला हमारे लिए सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि परंपरा और संस्कृति को जीवित रखने का माध्यम है। हर धागा हमारी अस्मिता और इतिहास को जोड़ता है। उत्सव में लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया से उत्साह दोगुना हो गया है। उत्सव के प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि इस उत्सव का उद्देश्य महेश्वर के बुनकरों को सीधा बाजार से जोड़ना और उनकी कला को सम्मान देना है। साथ ही शहरी ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण पारंपरिक उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना भी प्राथमिकता है।

सांदीपनि और आईसीटी लैब वाले विद्यालयों को मिली कौशल विकास पुस्तिका

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

प्रदेश में संचालित सांदीपनि और आईसीटी लैब विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को कम्प्यूटर कौशल से जुड़ी जानकारी पर आधारित पुस्तिका स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। यह पुस्तिका कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों के लिये उपयोगी है। इन पुस्तकों का प्रकाशन पाठ्यपुस्तक निगम से कराया गया है। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने विद्यार्थियों के बीच पुस्तिका के वितरण के संबंध में समस्त जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किये है। अतिथि शिक्षकों को ई-अटेंडेन्स के बाद ही मिलेगा मानदेय लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षकों को शत प्रतिशत ई-अटेंडेन्स हमारे शिक्षक एप के माध्यम से दर्ज करने के निर्देश जारी किये है। निर्देश में कहा गया है कि यह व्यवस्था 18 जुलाई से प्रदेश में अनिवार्य रूप से लागू होगी। जिन अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति हमारे शिक्षक एप के माध्यम से दर्ज नहीं होगी उनका मानदेय का भुगतान नहीं किया जा सकेगा। इस व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किये जाने के लिये जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये है।

विद्यालय में रिक्त पदों के विरूद्ध आवेदकों की री-ज्वॉइनिंगः शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में पूर्व से कार्यरत अतिथि शिक्षक आवेदकों की रिक्त पद होने पर री-ज्वॉइनिंग के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समय सारणी जारी की है। समय सारणी के अनुसार आवेदकों को अंतिम अवसर देते हुए आज दिनांक 17 जुलाई गुरूवार तक री-ज्वॉइनिंग करने के निर्देश जारी किये गये है। नियत तिथि के बाद 18 जुलाई 2025 को रिक्त पदों की पुनः समीक्षा की जायेगी। प्रदेश में करीब 60 हजार से अधिक अतिथि शिक्षक शिक्षण कार्य से जुड़े हुए है।

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाती एम्स की प्रोस्थेटिक सेवा

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान द्वारा दिव्यांगजनों के पुनर्वास और सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 3 जुलाई 2024 को भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग द्वारा लोअर लिंब प्रोस्थेटिक सेवा का औपचारिक शुभारंभ किया गया था, जिसके साथ ही दिव्यांगजनों को कृत्रिम पैरों का वितरण प्रारंभ हुआ। अब इस सेवा को एक वर्ष पूर्ण हो चुका है, और इस अवधि में यह पहल दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मविश्वास, गतिशीलता और आत्मनिर्भरता लाने में एक महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरी है। भारत में अंग विच्छेदन के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है, जिसके प्रमुख कारणों में सड़क दुर्घटनाएं, मधुमेह और परिधीय रक्तवाहिनी रोग शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, कुल अम्प्यूटेशन मामलों में से लगभग 85% केवल पैरों से संबंधित होते हैं, जो शरीर का भार उठाने, चलने-फिरने और दैनिक कार्यों को करने के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं। जब कोई व्यक्ति अपने पैरों से वंचित हो जाता है, तो वह शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से गहरे प्रभाव में आ जाता है। उसकी आत्मनिर्भरता समाप्त हो जाती है और वह दूसरों पर आश्रित हो जाता है। ऐसे में प्रोस्थेसिस (कृत्रिम अंग) न केवल उसे दोबारा चलने की शक्ति प्रदान करते हैं, बल्कि जीवन में आत्मविश्वास, सम्मान और सक्रियता भी लौटाते हैं। एम्स भोपाल के भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग द्वारा पहले से ही ऑर्थोसिस निर्माण एवं वितरण की सेवाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही थीं, जिसके तहत लगभग 3,000 ऑर्थोसिस वितरित किए जा चुके हैं। विभाग द्वारा लोअर लिंब प्रोस्थेसिस के साथ-साथ बिलो-नी, एबव-नी बिलो-एल्बो और एबव-एल्बो प्रोस्थेसिस भी प्रदान किए जा रहे हैं। प्रोस्थेटिक सेवाओं के महत्व पर कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, शारीरिक अंगों की क्षति जीवन को प्रभावित जरूर करती है, परंतु यदि हम दिव्यांगजनों को सही सहयोग और समुचित पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराएं, तो वे समाज की मुख्यधारा में पूरी गरिमा और आत्मविश्वास के साथ शामिल हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि एम्स भोपाल, मध्य भारत का ऐसा पहला सरकारी संस्थान बन गया है।

गाँजा तस्करी के फरार इनामी माँ, बेटे को क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

कई सालो से उड़ीसा से गांजा लाकर करते रहे तस्करी

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

राजधानी भोपाल की क्राइम ब्रांच टीम ने गाँजा तस्करी के मामले में साल 2024 से फरार चल रहे माँ, बेटे को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। क्राईम ब्रांच एडीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बतायसा की क्राइम ब्रांच टीम ने मुखबिर से मिली सूचना पर थाने में दर्ज एनडीपीएस ओर जेजे एक्ट में फरार आरोपी महिला किरण अहिरवार पति स्व. नरेश अहिरवार (55) और गांजा तस्करी के मामले में फरार उसके बेटे मोनू अहिरवार पिता सीताराम अहिरवार (30) दोनो निवासी कैंची छोला थाना छोलामंदिर को को सुभाष नगर अंडर ब्रिज के पास से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया है। अफसरो ने बताया की आरोपी मॉ-बेटे आदतन गांजा तस्कर है, जो बीते कई सालो से उडीसा से गांजा लाकर उसकी तस्करी करते हैं। उनके खिलाफ भोपाल के कई थानो में अपराध दर्ज है। दोनो साल 2024 में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में ही फरार चल रहे थे, जिनकी गिरफ्तारी पर 5-5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। फरार इनामी मॉ-बेटे को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेजने की तैयारी है।

पीएम आवास योजना के अंतर्गत नवीन भवन हेतु अनुमति पत्र प्रदान किए

मंडीदीप। नगर पालिका परिषद मंडीदीप कक्षा में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष पुष्पा साहू के द्वारा 02 प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 480 हितग्राहियों को नवीन भवन बनाने हेतु अनुमति पत्र प्रदान किए गए वहीं पर प्रधानमंत्री आवास योजना 01 के अंतर्गत 555 हितग्राहियों को नए भवन में प्रवेश दिलाया गया इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल पुष्पा प्रेम शंकर साहू विनोद चौक से रवि पाल शुभम राजपूत नगर पालिका कर्मचारी एवं हितग्राही मुख्य रूप से उपस्थित हुए।

कर्मचारी संघ की प्रांतीय विभागीय समिति का गठन दिलाई शपथ

संदीप इरपाची को मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

राज्य शासकीय कर्मचारी अधिकार संरक्षण संघ के प्रांताध्यक्ष श्री शील प्रताप सिंह पुंढीर द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत रप्रांतीय विभागीय समितिर का गठन लोक शिक्षण संचालनालय में कार्यरत श्री सियाराम नेगी की अध्यक्षता में गत दिनों किया गया था।आज नव-नियुक्त पदाधिकारियों को श्री पुंढीर के कर कमलों द्वारा नियुक्ति-पत्र वितरण तथा शपथ-समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया । नव-नियुक्त समिति में

राम विलास गुप्ता को परामर्शदाता गेंदसिंह तेकाम, संजय गुप्ता, राजेश यादव को उपाध्यक्ष अनिल पाठक को कोषाध्यक्ष सूर्यकान्त बाकोडे को महामंत्री तथा श्री संदीप इरपाची को मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। इस अवसर पर राज्य शासकीय कर्मचारी अधिकार संरक्षण संघ के प्रांताध्यक्ष श्री पुंढीर सहित उपाध्यक्ष श्री भगवान सिंह ठाकुर महासचिव श्री व्यासमुनि चौबे तथा जिला शाखा भोपाल के अध्यक्ष श्री प्रणव खरे को शाल-श्रीफल प्रदाय कर सम्मानित किया गया तथा उपस्थित पदाधिकारियों ने एक स्वर में श्री पुंढीर के नेतृत्व तथा व्यक्तित्व की प्रशंसा की गई।

इस अवसर पर प्रांताध्यक्ष श्री पुंढीर ने लिपिकीय कर्मचारियों की समस्याओं तथा उनके निदान की रूपरेखा पर प्रकाश डाला गया, जिसे उपस्थित पदाधिकारियों तथा सदस्यों ने हर्ष-ध्वनि उत्पन्न कर समर्थन प्रदान किया गया।

दुष्कर्म के आरोपी सहित मददगार पड़ोसन महिला को 7-7 साल की सजा

भोपाल। नये शहर के कोलार थाना इलाके के जंगल में साल 2019 में विवाहिता से दुष्कर्म करने वाले आरोपी सहित उसकी मदद करने वाली महिला को प्रकरण में बराबरी का दोषी करार देते हुए दोनो को 7-7 साल की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। आरोपी महिला बहाने से पीड़िता को अपने साथ जंगल लेकर गई थी, जहॉ आरोपी पहले से मौजूद था। लोकअभियोजक से मिली जानकारी के मुताबिक कोलार रोड थाना क्षेत्र में रहने वाली पीड़िता की पड़ोस में रहने वाली आरोपी सुक्रवती नामक महिला से खासी पहचान थी, और वह उसके घर बेटी के साथ टीवी देखने जाती थी। 18 जनवरी 2019 को सुक्रवती जंगल में लकड़ी बीनने के बहाने से पीड़िता को अपने साथ ले गई थी। वहॉ आरोपी ओमप्रकाश पहले से मौजूद था। पीड़िता को ओमप्रकाश की नियत ठीक नहीं लगी, जब उसने जंगल से वापस घर जाने का प्रयास उसके साथ ज्यादती कर डाली।

भोपाल देश का दूसरा सबसे साफ शहर बना नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारियों का किया सम्मान,बाटी मिठाई

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

भोपाल ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में तीन पायदान की छलांग लगाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में भोपाल की महापौर मालती राय को यह पुरस्कार प्रदान किया।

राजा भोज प्रतिमा पर सम्मानः गुरुनानक मंडल ने राजा भोज प्रतिमा पर स्वच्छता सेवकों का शाल, श्रीफल, पगड़ी पहनाकर और उपहार भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर मिष्ठान वितरण भी किया गया और शहरवासियों ने जमकर आतिशबाजी की।

भोपाल की उपलब्धिः भोपाल ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में

तीन पायदान की छलांग लगाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया।- पिछले वर्ष भोपाल पांचवें स्थान पर था। कचरा प्रोसेसिंग, डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन और नागरिक सहभागिता जैसे मानकों में भोपाल ने अच्छा प्रदर्शन किया। गुरुनानक मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा कि यह उपलब्धि भोपाल के लिए गर्व की बात है और शहरवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस सफलता के पीछे शहर की सफाई टीम और नागरिकों की मेहनत और समर्पण है। आतिशबाजी और जश्न शहरवासियों ने जमकर आतिशबाजी की और अपनी खुशी का इजहार किया। यह उपलब्धि भोपाल के लिए एक नई ऊंचाई है और शहरवासियों के लिए एक प्रेरणादायक क्षण है। इस अवसर पर भगवान्दास ढालिया, राजा शर्मा, मुकेश सोलंकी, सुनील सराठे, नरेंद्र ठाकुर, संदीप कल्याणे, नितिन बम्मन उपस्थित थे अधिकारी कर्मचारियों का किया सम्मान इस अवसर पर जोन 05 स्वास्थ्य विभाग सहायक स्वास्थ्य अधिकारी आसिफ नजीर , प्रभारी दरोगा वार्ड 08 समीर अहमद,कर्मचारी रितेश,भगवान दास जोन सुपरवाइजर भूपेंद्र सिंह परिहार,विवेक बम्हन कर्मचारी नईम भाई, अमान,वाहन चालक सलमान, वीरेंद्र ,प्रभारी दरोगा वार्ड 22,लालमन जी कर्मचारी अमान,सुनील, मूलचंद सहित जोन 5 के स्वछता सेवकों का सम्मान किया।

मप्र में जमीनों की धोखाधड़ी रोकने की बड़ी तैयारी, जल्द लागू होगा नया नियम

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

अवैध कॉलोनी पर रेरा पंजीयन क्रमांक का ब्रेक लगाने की तैयारी है। राजस्व विभाग जमीनों में धोखाधड़ी रोकने एक बार फिर से रजिस्ट्री में रेरा पंजीयन नंबर को अनिवार्य करने का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। शासन से मंजूरी के बाद नोटिफिकेशन कर लागू कर दिया जाएगा। इससे बिना रेरा पंजीयन नंबर की विकसित कॉलोनियां, निर्माण की रजिस्ट्री पर लगभग रोक लग जाएगी। रजिस्ट्री के लिए संपदा 2.0 में आधार अनिवार्य करने के बाद रेरा की अनिवार्यता से अवैध कॉलोनी विकसित होने पर रोक लगेगी। अभी कृषि भूमि का सिर्फ ऑनलाइन डायवर्जन कर प्लॉटिंग कर दी जाती है। बिना किसी मंजूरी के प्लॉट या मकान का विक्रय हो जाता है। अपेक्षाकृत सस्ती दरों में मिलने से लोग इन्हें खरीद लेते हैं, लेकिन बाद में जब मंजूरियों की कमी से सरकारी सुविधाएं यहां तक नहीं पहुंचती तो फिर रहवासी परेशान होते हैं। नारकीय जीवन जीने को मजबूर होते हैं। एक मई 2017 से प्रदेश में रेरा एक्ट लागू हुआ। इसके तहत व्यवसायिक उपयोग के लिए प्लॉट- मकान, दुकान की खरीदी बिक्री के लिए रेरा पंजीयन कराना जरूरी है। रेरा पंजीयन के लिए 28 तरह के दस्तावेज की जरूरत होती है। इसमें टीएंडसीपी से लेकर नगर निगम और अन्य विभागों की एनओसी, मंजूरियों से लेकर कॉलोनी विकसित करने वाले से जुड़े व जमीन से जुड़े दस्तावेज चाहिए। इसकी मॉनीटरिंग होती है। यानि इसमें धोखाधड़ी की स्थिति नहीं के बराबर होती है।

स्व'छता मित्रों को मिठाई खिलाकर बांटी खुशियां

भोपाल। स्व'छता सर्वेक्षण में राजधानी भोपाल को देश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। इस खुशी के मौके पर नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने गुरुवार को माता मंदिर स्थित नगर निगम कार्यालय पर स्व'छता मित्रों को मिठाई खिलाकर खुशियां साझा की। इस अवसर पर स्व'छता मित्रों ने ढोल-ढमाकों के साथ एक-दूसरे पर पुष्पवर्षा कर अपनी खुशी जाहिर की। शहर के अन्य जोन कार्यालयों में भी इसी प्रकार ढोल-ढमाकों के साथ आतिशबाजी कर खुशी मनाई गई।

बारिश में बहाया पसीना, अग्निवीर भर्ती रैली निकाली

भोपाल। भोपाल में मुख्यमंत्री निवासी के गेट नंबर 1 सेवन विहार तक बोट रोड परवायु सेना अग्निवीर भर्ती रैली निकाली गई। गुरुवार के प्रदेशभर से आए युवा अग्निवीर परीक्षा भर्ती रैली में शामिल हुए। रैली का आयोजन प्रतिदिन सुबह 5 बजे से सुबह 9 बजे तक किया जाएगा जो 26 जुलाई तक तक होगी। अग्निवीर भर्ती रैली के दौरान सुबह चार घंटे के लिए मार्ग डायवर्ट रहेगा। यातायात पुलिस की ओर से वन विहार जाने वालों के लिए वैकल्पिक रूट की व्यवस्था की है। पुलिस के मुताबिक, गेट नंबर 2 से प्रवेश की व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था सुबह के लिए रहेगी।

कॉलोनियों में बंधक प्लॉट बेचेगा नगर निगम, कई प्रस्तावों को दी मंजूरी

नए विसर्जन घाटों पर खर्च होंगे 25 करोड़, कलियासोत नदी पर बनेगा स्टॉप डैम

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

राजधानी में अब पब्लिक टॉयलेट का इस्तेमाल करना महंगा हो गया है। जनता को अब शौचालय जाने और नहाने के लिए अधिक पैसे खर्च करने पड़ेंगे। दरअसल यह निर्णय नगर निगम भोपाल की महापौर परिषद की बैठक में लिया गया है। इसके साथ ही एमआईसी की बैठक में शहर के विभिन्न इलाकों में विसर्जन घाट बनाने के साथ हाउसिंग फॉर ऑल समेत 15 प्रस्तावों को पास किया गया।

एमआईसी की बैठक में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय परिसर सहित नीलबड़, संजीव नगर, मालीखेड़ी और प्रेमपुरा पर नए विसर्जन घाट विकसित करने का निर्णय लिया गया है। करीब 25 करोड़ 8 लाख रुपए से यह घाट बनाए जाएंगे। परंपरागत पुराने विसर्जन घाटों पर एनजीटी की रोक के बाद नगर निगम ने यह जगह चिन्हित की हैं। इसकी मंजूरी मंगलवार को महापौर मालती राय की अध्यक्षता वाली मेयर इन कौंसिल ने दे दी है।

10 रुपए चुकाना होगा पब्लिक टॉयलेट का चार्ज

राजधानी के अलग-अलग क्षेत्रों में करीब 25 पब्लिक टॉयलेट हैं। अब तक यहां शौचालय जाने या नहाने पर 6 रुपए का शुल्क लगता था। लेकिन महापौर परिषद ने इन पब्लिक टॉयलेट का इस्तेमाल करने वालों से 10 रुपए वसूलने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही सीवेज और गंदे पानी को बड़ा तालाब और कलियासोत डेम में जाने से रोकने के लिए इनसे जुड़े नालों की टेपिंग होगी।

कलियासोत नदी पर बनेगा स्टॉप डैम

अमृत 2.0 में कलियासोत नदी के रिज्युवेशन कार्य के लिए 36.68 करोड़ के टेंडर बुलाने की मंजूरी दी गई। इसी तरह अमृत 2.0 में बड़ा तालाब के रिज्युवेशन कार्य के लिए 14.91 करोड़ के टेंडर बुलाने की मंजूरी दी। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक कलियासोत डेम में गर्मी के मौसम में पानी खत्म हो जाता है। इसमें पानी स्टोर रहे, इसके लिए स्टॉप डैम बनाए जाएंगे। वही स्टॉप डैम में शुद्ध पानी रहे, इसके लिए आसपास बाउंड्री बनेगी।

कॉलोनियों में बंधक प्लॉट बेचेगा नगर निगम

बता दें कि नगर निगम में अमृत 2 के तहत अमृत मित्र बनाए गए हैं। इसमें 2 स्व सहायता समूह काम करते हैं, जो घर-घर जाकर पानी सैंपल लेकर टेस्टिंग लैब में देते हैं। अमृत मित्र का टेंडर 18 जून को खत्म हो गया है। ऐसे में एमआईसी ने इसे 3 महीने का एक्सटेंशन दे दिया है। इसके साथ ही जोन 17 के वार्ड 75 में स्थित बड़वई द्वारका धाम कॉलोनी के बंधक प्लॉटों में से बचे एक प्लॉट की निविदा निकाली जाएगी। वहीं इसी इलाके की गोकुल धाम कॉलोनी के बंधक प्लॉटों में से बचे 29 की ई-निविदा निकाली जाएगी।

नीति निर्माण में डेटा की भूमिका पर भोपाल में हुआ राउंडटेबल सम्मेलन

सांख्यिकीय आंकड़ों को सार्वजनिक उपयोग के लिए सुगम बनाने दिया जोर

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) में प्रभावी नीति निर्माण के लिए राज्य सांख्यिकीय और डेटा प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करना विषय पर एक दिवसीय राउंडटेबल सम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नीति निर्माण से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय के संयुक्त निदेशक श्री विश्वजीत रायकवार ने मध्यप्रदेश में डेटा संग्रह, विश्लेषण और प्रकाशन की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने पर बल दिया।

अध्यक्ष एसएससी श्री प्रवीण श्रीवास्तव ने कहा कि आंकड़े शासन का आधार होते हैं और इनकी गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने सांख्यिकीय आंकड़ों को सार्वजनिक उपयोग के लिए सुगम बनाने, सोशल मीडिया के माध्यम से इनकी व्याख्या को जनसामान्य तक पहुंचाने सहित उपयोगकर्ता और डेटा निर्माता के बीच संवाद को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में एमपीएसईडीसी की मुख्य महाप्रबंधक सुश्री शिवांगी जोशी द्वारा विभागों के बीच डेटा साझा करने की प्रक्रिया, चुनौतियों और संभावनाओं पर प्रस्तुति दी गई। मुख्य वक्ता के रूप में पब्लिक इंडिया फाउंडेशन के प्रतिष्ठित फैलो एवं पूर्व महानिदेशक आशीष कुमार ने आधिकारिक आंकड़ों की बदलती भूमिका और डिजिटल तकनीक के माध्यम से आंकड़ों के संग्रह, विश्लेषण और उपयोग की दिशा में हो रहे नवाचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने उपग्रह डेटा, मोबाइल ट्रांजेक्शन और बिजली खपत जैसे आधुनिक स्रोतों के माध्यम से आंकड़ा संग्रहण की संभावनाओं को भी रेखांकित किया।

सम्मेलन में जीडीडीपी, संकेतक आधारित विश्लेषण, अनुसंधान में डेटा उपयोग, महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स की निगरानी और राज्य स्तर पर डेटा मिशन जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। श्री प्रवीण श्रीवास्तव ने आईसीटी आधारित डेटा संग्रह प्रणाली को मजबूत करने, शोधकर्ताओं को अधिकृत डेटा तक पहुँच देने और डेटा गोपनीयता व गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत संरचनाएं विकसित करने की आवश्यकता बताई। राज्य का योजना विभाग ऐसे प्रयासों के माध्यम से सुशासन की डेटा-आधारित आधारशिला को मजबूत कर रहा है, जिससे विकसित मध्यप्रदेश ञ2047 की दिशा में ठोस प्रगति की जा सके।

आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय एवं पब्लिक इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में इस सम्मेलन का आयोजन किया गया। राज्य सांख्यिकी आयोग और राज्य नीति आयोग द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य नीति निर्माण, क्रियान्वयन और मूल्यांकन के लिए समयबद्ध, भरोसेमंद और गुणवत्तापूर्ण आंकड़ों की उपलब्धता सुनिश्चित कराना है।

सम्मेलन में ISPIRIT, IIM इंदौर, DAVV इंदौर, EDII अहमदाबाद, SPJIMR मुंबई, विश्व बैंक, भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय सहित अनेक अकादमिक एवं शोध संस्थानों के प्रतिनिधि एवं विशेषज्ञ शामिल हुए।

जिला खेल अधिकारी-संविदा युवा समन्वयकों की राज्य स्तरीय कार्यशाला आज

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग करेंगे शुभारंभ

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग शुक्रवार 18 जुलाई को समन्वय भवन में जिला खेल अधिकारी एवं संविदा युवा समन्वयकों की राज्य स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा सुबह 10:30 बजे आयोजित कार्यशाला में प्रदेश के सभी 10 संभाग भोपाल, रीवा, सागर, उज्जैन, इंदौर, ग्वालियर, मुरैना, जबलपुर, नर्मदापुरम और शहडोल के सभी जिलों के खेल अधिकारी एवं युवा समन्वयक भाग लेंगे।

सम्मेलन का उद्देश्य प्रदेश में खेल अधोसंरचना को सुदृढ़ करना, युवाओं को नेतृत्व और फिटनेस से जोड़ना तथा विभाग द्वारा संचालित नई पहलों की जानकारी साझा करना है। सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में 'मध्यप्रदेश में खेलों की नई पहलें', 'माय भारत'' एवं 'युवा कल्याण गतिविधियों÷ के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य, डोपिंग जागरूकता और शारीरिक फिटनेस जैसे विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे। सम्मेलन में संभागवार प्रस्तुतिकरण भी किया जाएगा। कार्यशाला में खेल अधोसंरचना, जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं और नवाचारों को लेकर विचार साझा किए जाएंगे। इस अवसर पर सहभागी प्रतिनिधियों से प्रश्नोत्तर और फीडबैक सत्र के माध्यम से सुझाव भी लिए जाएंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल के ग्वालियर पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल के गुरूवार को ग्वालियर पहुंचने पर रेलवे स्टेशन, बस स्टेण्ड तिराहा, डीबी मॉल, एनसीसी गेट, स्टेशन चौराहा, राजा मानसिंह चौराहा, होटल तानसेन, सेंट्रल पार्क सहित विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात जीवाजी विश्वविद्यालय के अटल सभागार पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत हुआ। बडी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर मंचों के माध्यम से उनका आत्मीय स्वागत किया। श्री खण्डेलवाल ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में विधानसभा सत्र की तैयारी को लेकर बैठक हुई

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में विधानसभा के आगामी सत्र की तैयारी और लंबित कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में शून्यकाल, अपूर्ण उत्तर, आश्वासन, लोकलेखा समिति की सिफारिशें, विधानसभा में विभागों के प्रशासनिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने पर चर्चा की गयी। मुख्य सचिव श्री जैन ने निर्देश दिए कि सभी विभाग प्रमुख अपने काम समय-सीमा में करें। कार्य की साप्ताहिक समीक्षा भी की जाये।

मुख्य सचिव श्री जैन ने बैठक में 5 वीं राष्ट्रीय मुख्य सचिव कांफ्रेंस की तैयारियों के भी निर्देश दिये। उन्होंने अतिरिक्त कोर्ट केस, राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण, मानवाधिकार आयोग, अनुसूचित जाति/ जनजाति आयोग के प्रकरणों में राज्य शासन की ओर से समय-सीमा में जवाब प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिये।

बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, श्री जे.एन. कंसोटिया, श्री अशोक वर्णवाल, श्री संजय शुक्ल, श्री मनु श्रीवास्तव, श्रीमती रश्मि अरूण शमी, प्रमुख सचिव श्री विवेक पोरवाल, श्री संदीप यादव सहित विभागों के सचिव, अपर सचिव एवं उप सचिव उपस्थित थे।

तीन हजार वर्गफीट में तीन बेडरूम, हॉल, किचन समेत अन्य सुविधाएं

मध्यप्रदेश में विधायकों के लिए बनेंगे नए फ्लैट:21 जुलाई से होगी शुरुआत

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश के विधायकों के लिए राज्य सरकार फ्लैट बनाएगी। विधायकों के लिए 102 फ्लैट बनाने के फैसले को कैबिनेट ने दस महीने पहले मंजूरी दी थी और अब 21 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव इन फ्लैट्स के लिए भूमिपूजन करेंगे। इनका निर्माण लोक निर्माण विभाग की देखरेख में कराया जाने वाला है, जिसके लिए विभाग के अफसरों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। नए बनने वाले फ्लैट्स में एक विधायक को तीन हजार वर्गफीट एरिया में तीन बेडरूम, एक हॉल और किचन समेत ओपन एरिया भी मिलेगा।

लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह ने कहा कि स्पेन से लौटने के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव विधायक विश्राम गृह परिसर में बनने वाले विधायकों के फ्लैट्स के लिए भूमिपूजन करेंगे। इसके बाद इसका काम शुरू हो जाएगा। इसकी निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग ही है। सिंह ने कहा कि अभी विधायक विश्राम गृह में विधायकों को जो कक्ष आवंटित किए जा रहे हैं, वह पर्याप्त स्पेस वाले नहीं हैं। विधायकों से मिलने वालों के हिसाब से यह जगह कम प?ती है। नए आवास बनाने में इसका विशेष तौर पर ध्यान रखा गया है कि विधायकों की निजता और उनके क्षेत्र के लोगों के साथ संवाद के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया जाए।

यह भी रहेगा खास: इन फ्लैट्स के लिए 10 मंजिला पांच ब्लॉक्स बनेंगे।

बेसमेंट में पार्किंग, स्विमिंग पूल, जिम और कैंटीन की सुविधा रहेगी। पूरा कैम्पस फायर अलार्म सिस्टम से लैस रहेगा। हर फ्लैट में विधायकों के लिए ओपन एरिया भी मौजूद रहेगा।

1958 में बने भवन को तोड़ा जाएगा

विधायक के लिए फ्लैट बनाने जो एरिया चुना गया है वह विधायक विश्राम गृह के खंड एक और पुराने पारिवारिक खंड के साथ शॉपिंग काम्पलेक्स और दुकानों वाला एरिया है। इन्हें तोड़कर नए सिरे से काम किया जाएगा। प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह ने कहा कि 102 फ्लैट बनाने में 159.13 करोड़ रुपए की लागत आएगी और इसमें तीन बेडरूम होंगे जिसे विधायक अपने परिजनों और गेस्ट के लिए उपयोग में ला सकेंगे। यहां 80 से 100 लोगों के बैठने के हिसाब से एक हॉल भी रहेगा और सिक्योरिटी गार्ड के लिए भी अलग से कमरा होगा। गौरतलब है कि पूर्व में विधायकों के लिए आवास बनाने का फैसला विधानसभा कैम्पस के 22 एकड़ जमीन पर लिया गया था। यहां हरे भरे पेड़ काटे जाने थे और नगर निगम के कुछ पेड़ काटे भी थे। पेड़ों को काटने का भोपालवासियों ने विरोध किया जिसके बाद प्लान में बदलाव किया गया।

शिक्षा के साथ माता-पिता के प्रति भी समर्पित रहें विद्यार्थी : कृष्णा गौर

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंयक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में माता-पिता का समान सबसे बड़ा गुण है। माता-पिता का आदर और उनके मार्गदर्शन का पालन करने से ही जीवन में सफलता संभव है। राज्यमंत्री गौर अमरावदखुर्द स्थित शासकीय प्राथमिक शाला बीडीए कॉलोनी में आयोजित स्कूली बैग वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर 200 विद्यार्थियों को बैग वितरित किए गए। राज्यमंत्री गौर ने कहा कि यह सराहनीय है कि हर वर्ष ब'चों के लिए इस प्रकार के उपयोगी वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल से ब'चों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ता है और वे आगे बढ़ने की प्रेरणा लेते हैं। मुयमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में सरकार ब'चों की हरसंभव सहायता के लिए तत्पर है। मेधावी छात्रों को छात्रवृ्ति, साइकिल, स्कूटी और लैपटॉप जैसी सुविधाएं भी उपलध कराई जा रही हैं। शिक्षकगण भी अपने प्रयासों से भविष्य को दिशा दे रहे हैं। कार्यक्रम में सीएमएचओ मनीष शर्मा, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र धोटे, पार्षद बी. शक्ति राव, श्रीमती मधु शिवनानी, सुश्री खुशबू सिंह, सीमा पटेल, किशन बंजारे, गणेश राम नागर, अतुल अंजान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

संपादकीय

चीन भारत का दुश्मन है, ऑपरेशन सिंदूर में खुल कर पाक ?ो घातक हथियार दिए थे

चीन भारत का दोस्त नहीं दुश्मन है क्योंकि वह ऑपरेशन सिंदूर में खुल कर पाकिस्तान को घातक हथियार दिए और उस वजह से भारत को नुकसान भी हुआ उन भारतीय सैनिक के दिल से पूछिए की पाकिस्तान अभी भी कश्मीर में आतंकवादी को भेज रहा है और इन आतंकवादी को चीन हीं हथियार भी दे रहा है इसलिए भारत को वहीं जाना चाहिए जहाँ चीन और पाकिस्तान ना हो ये दोनों एक हीं सिक्के के दो पहलू हैं अब हस्ताक्षर ना करना भी इस बात को दर्शाता है कि आपकी नहीं सुनी गई भारत एक लोकतान्त्रिक देश है और 140 करोड़ देशवासियों का देश है और भारत किसी का गुलाम नहीं है कि वो सिखायेगा कि भारत को क्या करना है भारत के सैनिको में जबरदस्त जोश है और किसी भी स्थिति से लड़ने को तैयार है और टेक्नोलॉजी में भी किसी देश से कम नहीं है ये द्धश्च अमेरिका का बी -2 बमर है उसका डिजाइन भी भारतीय ने किया है ये अलग बात है टेक्नोलॉजी दूसरे देश को देने के कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया अमेरिका में जितने युद्ध के हथियार है अधिकतर जो हमारे देश के वैज्ञानिक के द्वारा दि गई तकनीक है क्योंकि जो यहाँ टैलेंटेड होते हैं वो अमेरिका चले जाते हैं और भारत के लोग भी इसे बहुत अच्छा मामते है कि देखो वो अमेरिका में खुब पैसा कमा रहा है अब इस सोच से बाहर निकलना होगा क्योंकि अब जिस तरह युद्ध हो रहे हैं उसमें दूसरे देश कूद जाते हैं और अपनी दादागिरी दिखाते हैं ये बात अब इजराइल को भी समझ आ गई होगी और रूस यूक्रेन का युद्ध भी नाटो बनाम रूस हो गया और रूस का उन देशों के प्रति कहीं ना कहीं समर्थन है जिससे युद्ध जिस उद्देश्य के लिए हो रहा है वो समझ में ही नहीं आता आखिर जीता क्यों लेकिन 9/11 हमले में दो वर्ड ट्रेड सेंटर को अलकायदा ने निशाना बनाया तो अमेरिका ने उसपर एक तरह से कब्जा ही कर लिया था बाद में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बायडेन ने बापस बुलाया यही नहीं इराक उसका मजाक उड़ाया तो उसका क्या हाल हुआ वो सबको मालूम है अमेरिका ने ईरान ने इजराइल के कहने से ज्यादा वहाँ के अन्य मुस्लिम देशों ने अमेरिका को अच्छी खासी रकम दि है जिससे ट्रम्प ने बी -2 बमवर्षक विमान से ईरान के तीनो परमाणु ठीकानो को पूरी तरह बर्बाद कर दिया और अब ईरान का बम बनाने का सपना अधूरा रह गया खबर में कुछ भी बता देते हैं लेकिन उसमें हकीकत नहीं रहता अगर ईरान ने भारी मात्रा में यूरेनियम ?ो वहाँ से हटा दिए है तो वो किस काम का है 60 प्रतिशत तक संवर्धित है और 90 परसेंट करने में कम से कम 5साल लगेंगे ये दूसरे बम जैसा नहीं है कि जब चाहे बना लिए उसमें रेडियो। परमाणु हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए इसे लगभग 90 प्रतिशत तक संवर्धित करने की आवश्यकता है अतः ईरान का परमाणु कार्यक्रम अब अमेरिका डील कर रहा अब उसे इजराइल से कोई मतलब नहीं रहा यही बात अब दूसरे देश को भी सिखने की जरुरत है यदि आपके पास अपना सामर्थ है तो युद्ध करो बरना आपस में समझौता कर लो हकीकत ये है कि भारत द डेली टेलीग्राफ और अन्य स्रोतों के अनुसार, चीन ने मई और जून 2020 के बीच भारतीय गश्त वाले 60 वर्ग किलोमीटर (23 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और पाक अधिकृत काश्मीर में अपना नेटवर्क बना रहा है और चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है. इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है. चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था. ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है.चीन ने केवल भारत को ही नहीं परेशान कर रहा है बल्कि तिब्बत को भी कब्जे में लिया और उनके धर्म गुरु दलाई लामा भारत में हैं और तिब्बत का यहाँ एक अस्थाई सरकार धर्मशाला में है जिसे तिब्बत का अस्थाई सरकार धर्मशाला में हैं और जिसे तिब्बत सेंट्रल एडमिनस्टर कहते हैं और ये सभी भगवान बुद्ध को मानने वाले शांति प्रिय लोग है यहाँ उनके सारे मंत्रालय भी हैं जिसमें रक्षा नहीं है क्योंकि ये भारत के हिस्से में हैं ये 1956 से भारत में पंडित नेहरू के कहने पर ब?ी संख्या में अपने धर्म गुरू दलाई लामा के साथ भारत आए थे जब तिब्बत ने 16 बिंदु के करार को न मान कर तिब्बत को अपने कब्जे में ले लिया जो चीन की बाहवाही करते हैं जरा सा अपने वीर योद्धा पर भी ध्यान दें सियाचिन का गलेशियर जो भारत को पाकिस्तान और चीन द्वारा की जाने वाली घुसपैठ को रोकने में मदद करता है.वहाँ का तापमान -30 डिग्री में अपने जवान किस तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं और जिंदगी में क्या पाया भारत माता के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है।

'मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश'

अजय टम्टा

दिशानिर्देशों में एग्रीगेटर्स को राज्यों द्वारा अधिसूचित मूल किराए के आधार पर प्रति घंटे या न्यूनतम गारंटीकृत आय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इसमें यह भी अनिवार्य किया गया है कि एग्रीगेटर और ड्राइवर के बीच किराया निपटान, आपसी सहमति से दैनिक, साप्ताहिक या पाक्षिक आधार पर किया जाना चाहिए। इस कदम से हजारों ड्राइवरों को खासकर आय-प्राप्ति वाले समय में, आय में होने वाले उतार-चढ़ाव से निजात मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, सरकार ने अब प्रत्येक एग्रीगेटर को कम से कम 5 लाख रूपये का स्वास्थ्य बीमा और 10 लाख रूपये का सावधि बीमा प्रदान करना अनिवार्य कर दिया है। उम्मीद है कि ये सुरक्षा उपाय गिग श्रमिकों को औपचारिक श्रम संरचनाओं के दायरे में लायेंगे।

पिछले कुछ सालों में लाखों ड्राइवर ऐप-आधारित टैक्सी सेवाओं से जुड़े हैं। क्योंकि इसमें उन्हें काम करने की आजादी, अनुकलता और तकनीकी सुविधा मिलती है। हालाँकि बढ़ते कमीशन, अस्पष्ट नीतियों, मनमाने निलंबन और सुरक्षा के अभाव ने इस वादे को कई लोगों के लिए निराशा में बदल दिया। भारत भर में तीन मिलियन से अधिक गिग ड्राइवरों द्वारा अनुभव की गई इन चुनौतियों ने व्यापक और लागू करने योग्य विनियमन की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया।

इसके जवाब में, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और श्री नितिन गडकरी के मार्गदर्शन में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने पहले ही मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अंतर्गत ÷मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश, 2020÷ जारी किये थे। इन दिशानिर्देशों ने राज्य सरकारों को एग्रीगेटर्स को लाइसेंस देने और उनकी निगरानी करने का अधिकार देते हुए एक नियामक ढाँचा प्रदान किया, जिससे वाहन-परिचालन उद्?ोग के विकास को बढ़ावा मिला। ड्राइवरों और यात्रियों दोनों के लिए सुरक्षा, निष्पक्षता और जवाबदेही से जु?ी चिंताओं को देखते हुए, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अब मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश, 2025 पेश किया है। ÷यह भारत के डिजिटल मोबिलिटी इकोसिस्टम में संरचना, सुरक्षा और समावेशिता लाने के लिए एक प्रमुख नीतिगत अपडेट है÷।

मोटर वाहन अधिनियम 1988 के कानूनी आधार पर निर्मित इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य ओला, उबर, रैपिडो जैसे ऐप-आधारित कैब एग्रीगेटर्स के संचालन को विनियमित करना है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि दिशानिर्देश संवैधानिक कार्यादेशों और न्यायिक निर्देशों के अनुरूप ड्राइवरों और यात्रियों दोनों को संतुलित लाभ प्रदान करने का प्रयास करते हैं।

2025 के दिशानिर्देशों का सबसे उल्लेखनीय पहलू है- ड्राइवरों के हितों की सुरक्षा। अब तक एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म से जुड़े ड्राइवर, अक्सर खुद को कम कमाई, मनमाने ढंग से कार्य से हटाना (ऑफ-बोर्डिंग), बीमा का न होना और अपर्याप्त कानूनी उपायों के साथ अनिश्चित परिस्थितियों के बीच काम करते थे। नए नियम दिशानिर्देश इन प्रणालीगत कमियों को दूर करने का प्रयास करते हैं।

इसके अलावा, नए दिशानिर्देश कमीशन में पारदर्शिता लाते हैं तथा एग्रीगेटर के हिस्से को अधिकांश मामलों में प्रत्येक किराए के 20त्न तक सीमित करते हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है, कि ड्राइवर अपनी आय का एक उचित हिस्सा रख सकेंगे। एग्रीगेटर्स को भुगतान कटौती, किराया विभाजन और जुर्माने के बारे में स्पष्ट और विस्तृत जानकारी भी प्रदान करनी होगी। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि प्रत्येक एग्रीगेटर एक औपचारिक शिकायत निवारण प्रणाली की स्थापना करेगा, जहाँ यात्रा रद्दीकरण, भुगतान विवाद या निलंबन जैसे मुद्दों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से समाधान हो सके। ड्राइवरों को समय- समय पर प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिसमें ऐप उपयोग, आपातकालीन प्रतिक्रिया, सड़क सुरक्षा, यातायात नियम, लैंगिक संवेदनशीलता, दिव्यांगजन जागरूकता, ग्राहक से बातचीत, डिजिटल साक्षरता आदि विषयों पर आधारित 40 घंटे का प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल होगा, ताकि वे भविष्य के यातायात से जुड़ी चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकें।

यात्रियों के लिए भी ये दिशानिर्देश समान रूप से परिवर्तनकारी हैं। यात्रा सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और किराए में हेरफेर से जुड़ी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए नए दिशानिर्देश सुरक्षा उपाय लेकर आए हैं, जिनकी बहुत आवश्यकता थी।

एग्रीगेटर प्लेटफ़ॉर्म पर सभी ड्राइवरों को अनिवार्य पुलिस सत्यापन, स्वास्थ्य जांच और व्यवहार प्रशिक्षण से गुजरना होगा। इसके अलावा, प्रत्येक वाहन में इन ऐप आपातकालीन बटन, जीपीएस-आधारित निगरानी और यात्राओं को साझा करने की सुविधाएँ होनी चाहिए, जो सभी यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को बढ़ाती हैं। राज्य की निगरानी में एग्रीगेटर्स द्वारा एक 24×7 नियंत्रण कक्ष और हेल्पलाइन प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए।यात्रियों के लिए एक और बड़ा लाभ किरायों और विशेष परिस्थितियों में किराये में वृद्धि (सर्ज प्राइसिंग) का नियमन है। दिशानिर्देशों में स्पष्ट सीमाएँ निर्धारित की गई हैं- राज्य की नीति के आधार पर किराए में वृद्धि की सीमा आधार किराए के 1.5 से 2 गुना तक सीमित की गयी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उच्च माँग के समय यात्रियों का शोषण न हो। इसके अलावा, प्लेटफ़ॉर्म को किराए का विवरण पारदर्शी रूप से प्रदर्शित करना आवश्यक है, जिसमें आधार किराया, गतिशील शुल्क, एग्रीगेटर का हिस्सा और सरकारी कर शामिल हैं।

महत्वपूर्ण रूप से, दिशानिर्देश उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता का भी ध्यान रखते हैं। एग्रीगेटर्स को भारत-स्थित सर्वरों पर उपयोगकर्ता डेटा का संग्रह करने और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम सहित डेटा सुरक्षा रूपरेखा का पालन करने का निर्देश दिया गया है, ताकि डेटा का दुरुपयोग या लीक न होना सुनिश्चित हो सके और भारत की संप्रभु डेटा नीतियों के अनुसार इसे सुरक्षित रखा जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन, जो समावेशी और सतत विकास पर जोर देता है तथा दिव्यांगजनों के सम्मान और स्वाभिमान को बनाए रखने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के अनुरूप, दिशानिर्देश में इस बात को अनिवार्य किया गया है कि एग्रीगेटर बेड़े का एक हिस्सा दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाएं और कार्यबल में ड्राइवरों के रूप में दिव्यांगजनों का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करें। ऐसे वाहनों की संख्या राज्यों द्वारा स्थानीय जरूरतों और आवश्यकताओं के आधार पर निर्धारित की जाएगी। स्थायित्व के लिए एक बड़े प्रयास के तहत, एग्रीगेटर्स को अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, वैकल्पिक ईंधन या शून्य उत्सर्जन वाले वाहनों को शामिल करने की आवश्यकता है। संबंधित वायु नियामक निकाय वाहन-परिचालन प्लेटफार्मों के लिए राज्यवार ईवी लक्ष्य निर्धारित करेंगे, तथा यह भारत के जलवायु और स्वच्छ वायु लक्ष्यों के अनुरूप है। दिल्ली की 'देवी' (डीईवीआई) बसें जैसी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियाँ ईवी एकीकरण के उदाहरण हैं।

लेखन में भी है रोजगार

अगर आपको किताबें पड़ना और अपने मन की बात को डायरी में लिखना पसंद है तो आप लेखन में भी अच्छा करियर बना सकते हैं, और खूब सारे पैसे भी कमा सकते हैं। लेख्रन में करियर बनाना चाहते हैं तो बस इन तीन बातों को अपने दिमाग में रख लें।

क्रिएटिव बने : लेखन के लिए क्रिएटिव दिमाग का होना बहुत जरूरी है। जिसे किसी भी राइटिंग कोर्स के जरिए सीखा नहीं जा सकता जिस भाषा में आप लिखना चाहते हैं उसमें पकड़ लाने के लिए आपको अखबार, नॉवल, कहानियों को लगातार पढ़ते रहना होगा तभी आप लिखने में महारत प्राप्त कर पाएंगे। एक बाद याद रखें कोई भी लेखन लिखते वक्त जितनी बढ़िया वर्तनी होगी उतना ही मजबूत आपका लेख होगा।

सीधे तरीके से लिखे: अक्सर पाठक घुमावदार तरीके से लिखे हुए लेखन को पढ़ने से बचते हैं। उन्हें वहीं पढ़ना पसंद है जिसमें बात साफ और सीधे तरीके से लिखी गई हो। इसलिए प्वाइंट टू प्वाइंट लिखने की आदत डालें, ताकि आप कम वाक्य में ज्यादा से ज्यादा जानकारी दें सकें। एक लेखक को सफलता तभी मिलती है जब वह ताजा मामलों पर लिखता है। ऐसा ना हो कि देश और दुनिया में कुछ और बात चल रही है और आप अपने पाठकों को कोई और बात परोस रहे हैं। दुनिया में क्या चल रहा है इसके लिए आपको सोशल मीडिया पर अपडेट रहना होगा। ताकि आप वही लिखें जो पाठक पढ़ना चाहतें हैं।

75 + के फार्मूले का व्यवहारिक पक्ष भी देखें

कृष्णमोहन झा

संघ प्रमुख मोहन भागवत के एक भाषण की इन दिनों बहुत चर्चा हो रही है और उसके अलग अलग निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। यह भाषण उन्होंने विगत दिनों संघ की दिवंगत विभूतियों में से एक स्व मोरोपंत पिंगले के व्यक्तित्व और कृतित्व की विशेषताओं को उजागर करने वाली पठनीय पुस्तक मोरोपंत पिंगले- द आर्किटेक्ट आफ हिंदू रिसर्जेंस के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से दिया था। मोहन भागवत ने अपने भाषण में मोरोपंत पिंगले के 75 वें जन्मदिन पर आयोजित सम्मान समारोह में उनके द्वारा विनोद के लहजे में की गई एक टिप्पणी का उल्लेख किया। मोरोपंत पिंगले ने अपने सम्मान के प्रत्युत्तर में दिए गए भाषण में कहा था कि जब आप किसी के 75 वें जन्मदिन पर शाल ओढ़ाकर उनका सम्मान करते हैं तो इसका मतलब होता है कि अब आप हट जाओ हमें करने दो। चूंकि संघ प्रमुख मोहन भागवत के बारे में यह आम धारणा बन चुकी है कि वे इशारों इशारों में ही अपना मंतव्य व्यक्त करते हैं इसलिए उनके इस भाषण ने भी यह बहस छेड़ दी है कि संघ प्रमुख ने मोरोपंत पिंगले की टिप्पणी का उल्लेख सहज होकर किया था या फिर उनका इशारा कहीं और था । संयोग से मोहन भागवत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसी साल सितंबर में एक सप्ताह के अंतराल से 75 वर्ष के हो रहे हैं। इसलिए संघ प्रमुख के बयान के निहितार्थ निकाले जाने का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है।

मोहन भागवत ने अपने भाषण में यद्यपि मोरोपंत पिंगले की टिप्पणी का उल्लेख करके उनकी विनोद प्रियता का उदाहरण मात्र दिया था परन्तु विपक्ष तो जैसे इसी अवसर की तलाश कर रहा था। उसने मोहन भागवत के भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए नसीहत खोजने में कोई देर नहीं की जबकि उसमें ऐसा कोई भाव नहीं था। मैं समझता हूं कि मजाकिया लहजे में कही गई की बात को मजाक में

ही लिया जाना चाहिए। चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 17 सितंबर को अपने यशस्वी जीवन के75 वर्ष पूर्ण करने जा रहे हैं इसलिए यह तो तय माना जाना चाहिये कि मोहन भागवत का उक्त भाषण पर छिड़ी बहस का सिलसिला निकट भविष्य में थमने वाला नहीं है बल्कि अगले कुछ दिनों में यह मसला और जोर जोर से उठाया जाएगा। वैसे संघ प्रमुख मोहन भागवत खुद भी मोदी की 75 वीं वर्षगांठ के 6 दिन पूर्व 75 वर्ष के होने जा रहे हैं इसलिए यह कयास भी लगाए जा सकते हैं कि क्या संघ प्रमुख मोहन भागवत भी मोरोपंत पिंगले के मजाक को हकीकत में बदलने का मन तो नहीं बना रहे हैं लेकिन सवाल तो फिर वही उठता है कि क्या स्व मोरोपंत पिंगले द्वारा अपने 75 वीं वर्षगांठ के अवसर आयोजित सम्मान समारोह के प्रत्युत्तर में विनोद प्रियता के लहजे में कही गई बात को उसी रूप में स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

मेरे विचार से तो राजनीति से सन्यास के लिए 75 साल की सीमा रेखा तय करने की बात सैद्धांतिक रूप से तो सही मानी जा सकती है परन्तु व्यवहारिक रूप से भी इसे सही ठहराना उचित नहीं होगा। अगर 75 पार के राजनेता अथवा संघ के पदाधिकारी अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करने में पूर्णतः सक्षम हैं तो निश्चित रूप से उनकी सेवाओं का उपयोग किया जाना चाहिए। ऐसी तपस्वी,मनस्वी और अनुभवी विभूतियां चाहे सरकार अथवा किसी भी राजनीतिक दल में वरिष्ठ पदों पर आसीन हों उन्हें शाल ओढ़ाकर उनसे वानप्रस्थ आश्रम में जाकर विश्राम करने का अनुरोध करना उनकी अनमोल सेवाओं का उचित सम्मान नहीं माना जा सकता। ऐसा मानना भी उचित नहीं होगा कि 75 साल की आयु सीमा पार कर चुके राजनेता अथवा संघ के पदाधिकारी अपने से किसी प्रतिभाशाली कनिष्ठ की उन्नति के मार्ग में अवरोध पैदा करने की मंशा रखते होंगे। भाजपा और संघ में युवा प्रतिभाओं का हमेशा सम्मान किया गया है और यह सिलसिला निरंतर जारी है अतः संघ प्रमुख मोहन भागवत ने स्व. मोरोपंत पिंगले से जुड़ी जिस घटना का उल्लेख विगत दिनों एक पुस्तक के विमोचन समारोह में किया है उसका उनकी विनोद प्रियता के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

न्याय,जवाबदेही और मानव अधिकारों के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर एक दो दशक से जिस तरह संगठित अपराधोंकी संख्या में अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय व स्थानीय समूह की गतिविधियों में वृद्धि हुई है इसे गंभीरता से रेखांकित करना समय की मांग है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि उनके संगठित अपराधों को अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में देखें तो जांचएजेंसियों द्वारा आजकल अपराध की थ्योरी को अन्तर्राष्ट्रीय एंगल से जांच करने की थ्योरी भी अपनाई जाती है जिस तरह से वर्तमान में रूस- यूक्रेन इजराइल हमास युद्ध,व अनेक देशों के स्थानीय लोकल स्तरोंपर मानवीय अधिकार हनन अपराध चर्चा में आ रहा है व विशेष रूप से युद्ध अपराध चर्चा में आया हैं, युद्ध अपराध के लिए विशिष्ट अन्तर्राष्ट्रीय मानक मौजूद हैं, सहित अनेक केसों की तारें विदेशों तक जुड़ी हुई है। एक आपराधिक संगठन को हम गिरोह,माफिया, भीड़, सिंडीकेट, अंडरवर्ल्ड या गैंग्लैंड भी कह सकतें है, जिसमें अनेक अपराध जैसे सफेदपोश अपराध, वित्तीय अपराध, राजनीतिक अपराध, युद्ध के अपराध सहित अनेक परिभाषित अपराधों को शामिल किया जा सकता है जो अंतरराष्ट्रीय कनेक्टेड होते हैं इसीलिए आज हम ऐसे अपराधों और न्याय पर चर्चा करेंगे जो अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में आते हैं उनके पीड़ितों को न्याय दिलाने, दुनियाँ भर में हो रहे गंभीर अपराधों पर रोक लगाने विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों से सचेत रहने के प्रति जागरूक करने के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के आधार पर अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस के उपलक्ष में इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम आज की दुनिया में विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस 2025 की प्रासंगिकता की करें तो (1) राजनीतिक संघर्षों, युद्ध अपराधों और असंख्य मानवाधिकार उल्लंघनों के इस युग में, विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। (2)यह विश्वव्यापी स्तर पर एक पर्याप्त रूप से सुदृढ़ अंतर्राष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता की ओर ध्यानआकर्षित करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए ज़िम्मेदार, बिना जवाबदेही के न बच सकें।(3) यूक्रेन, गाजा और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में उभर रहे संकटों को देखते हुए, अंतर्राष्ट्रीय न्याय एक महत्वपूर्ण तंत्र है जो आम नागरिकों की रक्षा करता है और आगे होने वाले अत्याचारों को प्रभावी रूप से रोक सकता है।(4) यह अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) जैसी संस्थाओं और न्याय प्रशासन में राज्यों के बीच सहयोग के महत्व को भी उजागर करता है। (5) ऐसे युग में जहाँ बहुपक्षवाद और कानून के शासन को बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, यह स्मरणोत्सव शांति, जवाबदेही और पीड़ितों के अधिकारों के प्रति वैश्विक निष्ठा की याद दिलाता है। (6) इसलिए यह एक ऐसी न्यायपूर्ण दुनिया की दिशा में प्रेरणा देता है जहाँ न्याय सीमाओं और राजनीतिक हितों से परे जाकरसती से लागू हो।

साथियों बात अगर हम विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस मनाने के उद्देश्यों की करें तो, (1) विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उसे बढ़ावा देना तथा दुनिया में सबसे गंभीर अपराधों के लिए दंड से मुक्ति के विरुद्ध संघर्ष करना है (2) यह अंतर्राष्ट्रीयआपराधिक न्यायालय जैसे कानूनी तंत्रों के माध्यम से नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के कुख्यात अपराधियों को जवाबदेह बनाने की आवश्यकता पर बल देता है। (3) यह दिवस मानवाधिकारों की सुरक्षा, कानून के शासन को बनाए रखने और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है।(4) इसलिए यह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को सहयोग और ठोस अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढाँचों के माध्यम से एक अधिक न्यायपूर्ण और निष्पक्ष विश्व के निर्माण हेतु मिलकर काम करने की याद दिलाता है।

साथियों बात अगर हम अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) को समझने की करें तो-परिचय (1) यह विश्व का पहला स्थायी, स्वतंत्र और अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण है जो उन व्यक्तियों पर मुकदमा चलाता है जिन्होंने अत्यंत गंभीर अपराध किए हों। (2) इसमें चार प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय अपराधों को सम्मिलित किया गया है-नरसंहार युद्ध संबंधी अपराध, मानवता के विरुद्ध अपराध तथाआक्रामकता से संबंधित अपराध। (3) इस न्यायालय का मुख्यालय हेग, नीदरलैंड्स में स्थित है और यह जुलाई 2002 से कार्य कर रहा है। (4) भारत ने अभी तक रोम संविधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, अतः वह आईसीसी का सदस्य नहीं है। (5) भारत का मानना है कि आईसीसी की कुछ धाराएं उसकी राष्ट्रीय संप्रभुता, सैन्य कार्रवाई और आंतरिक सुरक्षा नीतियों के लिए बाधक हो सकती हैं। (6) भारत यह भी आशंका जताता हैकि आईसीसी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के वीटोयुक्त देशों का अत्यधिक प्रभाव है, जिससे निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। साथियों बात अगर हम अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के ढांचे की करें तो,संयुक्त राष्ट्र सेसंबंधित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय द हेग में है। इस न्यायालय में 6 भाषाओं (अंग्रेजी, फ्रेंच, रसियन, स्पेनिश, अरेबिक, चाइनीज) में सुनवाई होती है, लेकिन काम अंग्रेजी और फ्रेंच में ही होता है। इसके सदस्य देशों की संख्या 123 है। 17 जुलाई 1998 को इसकी स्थापना हुई थी, इसने 1 जुलाई 2002 से कार्य करना प्रारंभ कर दिया।

साथियों बात अगर हम न्यायालय की ज़रूरत की करें तो अपराध की दुनिया पर लगाम लगाने के लिए न्यायालय की जरूरत पड़ती है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व में न्याय दिलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की स्थापना हुई थी।प्रतिवर्ष आज ही के दिन 17 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया जाता है। इसे आमतौर पर अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्याय दिवस भी कहा जाता है। इसी दिन अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय की स्थापना हुई थी। इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के प्रति जागरूक करना है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के क्रियाकल्प की करें तो, अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय एक स्थाई और स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक ऑर्गेनाइजेशन है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानवीय और मानव अधिकारों के सबसे गंभीर उल्लंघन के आरोपियों को दंडित करने में सक्षम है। जिसमें नरसंहार का अपराध, अपराधों का युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराध शामिल है। अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय स्थापना तब हुई जब, राज्यों ने रोम में एक कानून को अपनाया इस की प्रतिमा को अंतर्राष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय के संविधि के रूप में जाना जाता है। आईसीसी राष्ट्रीय अदालतों की जगह नहीं लेता है। लेकिन यह तब उपलब्ध होता है जब कोई देश जांच करने में सक्षम नहीं होता और अपराधियों पर यह मुकदमा चला सकता है। साथियों बात अगर हम अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को अंतिम उपाय मानने की करें तो, अंतिम उपाय की अदालत के रूप में सेवा करने के इरादे से,आईसीसी मौजूदा राष्ट्री न्यायिकप्रणालियों का पूरक है और अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग तभी कर सकता है जब राष्ट्रीय अदालतें अनिच्छुक हों या अपराधियों पर मुकदमा चलाने में असमर्थ हों। इसमें सार्वभौमिक क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र का अभाव है और यह केवल सदस्य राज्यों के भीतर किए गए अपराधों, सदस्य राज्यों के नागरिकों द्वारा किए गएअपराधों, या संयुक्त राष्ट सुरक्षा परिषद द्वारा न्यायालय को संदर्भित स्थितियों में अपराधों की जांच और मुकदमा चला सकता है । अतः अगर हम उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस 17 जुलाई 2025- न्याय जवाबदेही और मानव अधिकारों के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है दुनियाँ की सरकारें प्रण करें- अन्याय के नए रूपों को विरल करेंगे, न्यायिक संस्थाओं को मजबूत करेंगे व पीड़ितों को सशक्त बनाएंगे।अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को अपराधियों के प्रत्यर्पण, आतंकवाद पनाहगार देशों का संज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय संदिग्ध अपराधियों को गिरफ्तार करने की शक्तियां देना समय की मांग हैं।

बदन की नहीं, बुद्धि की बनाओ पहचान बहनों: अश्लीलता की रील संस्कृति पर एक सवाल

प्रियंका सौरभ

हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जहाँ स्क्रीन पर दिखना असल में जीने से ज़्यादा जरूरी हो गया है। जहां ज़िंदगी कैमरे के फ्रेम में सिमट गई है, और इंसान का मूल्य उसके लाइक , फॉलोवर और व्यूज़ से तय होता है। इसी डिजिटल होड़ में स्त्रियों की अभिव्यक्ति भी एक अजीब मोड़ पर आ खड़ी हुई है – जहां रील बनाना कोई बुरा काम नहीं, लेकिन रील के बहाने स्त्री की गरिमा और उसकी सामाजिक छवि का बेशर्म चीरहरण किया जा रहा है।

जिम, मॉल, सड़क, बाथरूम और बेडरूम—हर कोना अब कंटेंट स्टूडियो बन चुका है। कुछ लड़कियाँ सोशल मीडिया पर जिस तरह की अश्लील और भद्दी रील्स बना रही हैं, वह केवल खुद की नहीं, समूची नारी जाति की गरिमा पर धब्बा बन रही है। क्या आपको सच में लगता है कि महज वायरल हो जाने से कोई ताक़तवर बनता है?

एक औरत के पास उसकी सबसे बड़ी पूंजी उसका आत्मसम्मान और विवेक होता है। आज जो लड़कियाँ एक्सरसाइज के नाम पर ऐसे कपड़े पहन रही हैं कि देखना भी शर्मिंदगी पैदा करे, वे शायद यह नहीं जानतीं कि वे नारी मुक्ति नहीं बल्कि नारी बाजारीकरण का प्रचार कर रही हैं। शरीर दिखाकर पहचान बनाना कोई गर्व की बात नहीं। अगर रील्स ही बनानी हैं, तो क्यों न ऐसी रील बनाओ जिसमें आपकी कला, मेहनत, सोच और संवेदना झलके? आज हर तीसरी रील में पिछवाड़ा फ्रेम के बीच में है, कैमरा कमर पर ज़ूम करता है, और कैप्शन होता है – क्लासी एंड सेक्सी ! क्या यही स्त्री की परिभाषा बनती जा रही है? स्त्री आंदोलन कभी इस उद्देश्य से नहीं चला था। हमने शिक्षा, समानता, आज़ादी और आत्मनिर्भरता की लड़ाई लड़ी थी, न कि मंच पर खड़े होकर अंग प्रदर्शन की। जो लोग कहते हैं, ÷ये स्त्रियों की आज़ादी है÷, उनसे पूछिए—क्या शरीर को उत्पाद बनाना आज़ादी है या आधुनिक गुलामी?

और यह दोष सिर्फ उन लड़कियों का नहीं है जो ऐसी रील्स बनाती हैं। यह समाज का भी अपराध है—खासतौर पर पुरुषों का। यही पुरुष ऐसी वीडियो पर मिलियन-मिलियन व्यूज देते हैं, लाइक ठोकते हैं, फिर कमेंट में नैतिकता का भाषण भी पेलते हैं। एक ही वीडियो में पुरुष की आँखें भी डोलती हैं और उंगलियाँ भी नैतिकता टाइप करती हैं। यह दोगलापन बंद होना चाहिए। सोचिए, क्या होगा जब कोई छोटी बच्ची यह सब देखकर बढ़ेगी? जब वह देखेगी कि ज़्यादा अंग दिखाने वाली को ज़्यादा लाइक मिलते हैं, तो वह किस दिशा में जाएगी? यह रील संस्कृति, स्त्रीत्व को छीनने की चुपचाप होती साजिश है। डिजिटल ग्लैमर की इस दौड़ में हम स्त्री को फिर से उस स्थान पर ले जा रहे हैं जहाँ उसे सिर्फ देखे जाने की वस्तु बना दिया गया था। आज़ादी की सही परिभाषा वो होती है जिसमें स्त्री खुद के लिए जीती है, न कि समाज के क्लिकबाज़ी वाले बाजार के लिए। एक लड़की सुंदर हो सकती है, फैशनेबल भी, लेकिन क्या ज़रूरी है कि वह हर बार अपनी देह को ही सेल करे? क्या सोच, क्या विचार, क्या चरित्र, क्या संघर्ष—ये सब सिर्फ उपन्यासों की बातें रह गई हैं?

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें–

ॐ शनैश्चराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
- गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
- केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
- बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
- गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ॐ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
- फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2. पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने– 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते है कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में।

घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें।

हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें।

घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें।

घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं।

पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

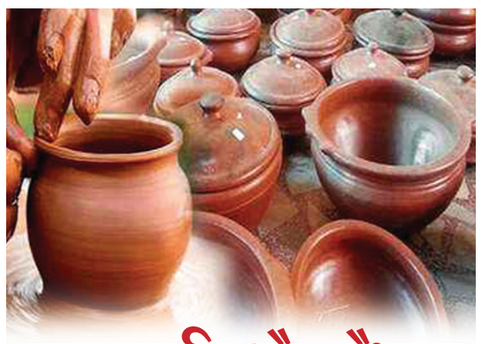

सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले गीता को अर्जुन के अलावा संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी थी। उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिघोष नामक रथ पर सारथी के स्थान पर खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कहते हैं प्रथम दिन का उपदेश प्रात: 8 से 9 बजे के बीच हुआ था। बाद के उपदेश कैंप में होते थे।

- गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। इसका कोई सा भी अध्याय अन्य अध्याय का रिपिटेशन नहीं है। विषय भले ही एक हो लेकिन प्रत्येक अध्याय में अलग ही तरह का ज्ञान है।
- गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान है कैसे स्थितप्रज्ञ पुरुष बनना, ईश्वर को जानना या मोक्ष प्राप्त करना।
- श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है।

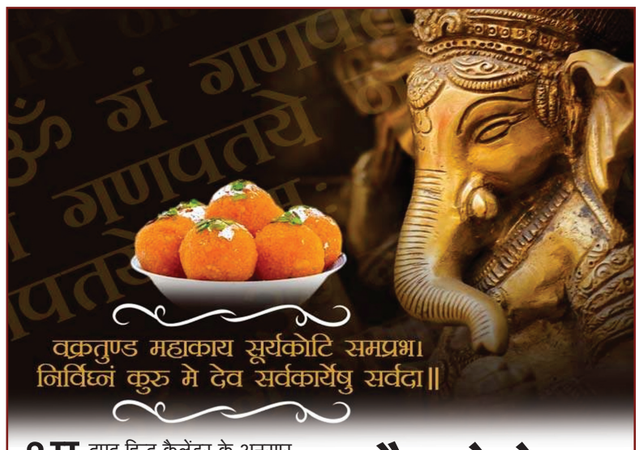

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

- **श्रीकृष्ण** : इसी माह में कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
- **माता पार्वती** : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **गणेश जी** : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **विश्वकर्मा जी** : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **भगवान विष्णु** : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **श्रीराधा जी** : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **पितृदेव** : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
- **शिव जी** : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
- **सूर्यदेव** : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अर्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **हनुमान जी** : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

नाटो प्रमुख, अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ धमकी पर भारत ने कहा- दोहरे मापदंड नहीं अपनाए जाने चाहिए

नई दिल्ली

भारत ने अमेरिका और नाटो की रूस से कच्चे तेल की खरीद से जुड़ी धमकियों का जवाब दिया है। भारत ने कहा है कि इस मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं अपनाये जाने चाहिए। वर्तमान वैश्विक परिदृष्य में हमारी ऊर्जा सुरक्षा सर्वोपरि है तथा बाजार की स्थिति के अनुरुप भारत कदम उठाएगा।

सैन्य संगठन नाटो के प्रमुख मार्क रूट की द्वितीयक प्रतिबंध की धमकी से जुड़े एक प्रश्न पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि हमने उनके बयान को देखा है तथा घटनाक्रम पर नजर बनाये हुए हैं। हम दोहराना चाहते हैं कि भारत की ऊर्जा आवश्यकता उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसे देखते हुए भारत के निर्णय बाजार के माहौल और वैश्विक हालात पर निर्भर होंगे। उन्होंने इस मामले में दोहरे मानदंड अपनाने के प्रति सतर्क भी किया।

मार्क रूट ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात के बाद भारत, चीन और ब्राजील पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जाने की धमकी दी थी। उन्होंने इन देशों से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर यूक्रेन युद्ध समाप्त करने को लेकर दवाब बनाने के लिए कहा था। उन्होंने चेताया था कि ऐसा नहीं करने पर भारत, चीन और ब्राजील को प्रतिबंध झेलने पड़ेंगे। वास्तव में नाटो प्रमुख, राष्ट्रपति ट्रम्प की धमकी को दोहरा रहे थे। ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों को दंडित करने के लिए उनके माल पर 100 प्रतिशत का सीमा शुल्क लगाएगा। इस संबंध में यह भी उल्लेखनीय है कि अमेरिका के सीनेट में दोनों दलों के समर्थन से एक विधेयक पेश है जिसमें भारत, चीन और ब्राजील जैसे देशों के आयात पर पांच सौ प्रतिशत तक सीमा शुल्क लगाये जाने का प्रावधान है।

यूक्रेन युद्ध के बाद से ही पश्चिमी देशों ने रूस के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कदम उठाये हैं। उसके तेल मूल्य की अधिकतम सीमा तय की गयी है ताकि रूस की सरकार को अधिक मुनाफा न हो पाये।

न्यूज ब्रीफ

अंतरिक्ष में रहस्यमयी तेज़ एक्स-रे फ्लैश का राज खुला

वाशिंगटन। आखिरकार सालों से वैज्ञानिकों के लिए रहस्य बने तेज़ एक्स-रे फ्लैश का राज खुल गया है।

वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि ये चमकती हुई रहस्यमयी एक्स-रे घटनाएं असल में एक असफल गामा-रे विस्फोट का नतीजा होती हैं। यह खोज खगोल वैज्ञानिकों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि इससे सुपरनोवा और गामा-रे विस्फोटों को लेकर हमारी अब तक की समझ में बड़ा बदलाव आएगा। 1970 के दशक से वैज्ञानिक अंतरिक्ष में ऐसी रहस्यमयी घटनाएं देख रहे थे। अचानक कुछ सेकंड से लेकर कई घंटों तक चलने वाली तेज़ एक्स-रे चमक दिखाई देती थी लेकिन इसका स्रोत क्या है, यह कभी स्पष्ट नहीं हुआ। अब नार्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी की खगोल वैज्ञानिक जिलियन रास्टिनेजाद और उनकी टीम ने इसका जवाब खोज निकाला है। उनके मुताबिक, एफएक्सटी दरअसल उस समय पैदा होती है जब कोई विशाल तारा मरते वक्त अपने भीतर से बेहद शक्तिशाली जेट्स बाहर निकालने की कोशिश करता है। अगर ये जेट्स तारे की बाहरी परतों को चीर कर निकल जाएं, तो हमें गामा-रे विस्फोट दिखाई देता है। लेकिन अगर ये जेट्स फंस जाएं, तो वो अपनी ऊर्जा एक्स-रे के रूप में छोड़ते हैं। यही एफएक्सटी है। यह एक तरह से मरते तारे की अंतिम चीख होती है। 8 जनवरी 2025 को इनेस्टेइन प्रोब नाम की स्पेस एक्स-रे टेलीस्कोप ने एक तेज़ एक्स-रे चमक दर्ज की जिसे ईपी 250108ए नाम दिया गया।

ट्रंप का आग्रह कोका कोला ने माना, मिठास के लिए अब गन्ने का प्रयोग होगा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि कोका कोला कंपनी ने उनके आग्रह को मान लिया है। कोका कोला कंपनी अमेरिका में अपने प्रमुख पेय में मिठास के लिए असली गन्ने की चीनी का इस्तेमाल करेगी। उन्होंने इसके लिए कोका कोला कंपनी के अधिकारियों का आभार जताया है। अमेरिकी समाचार वेबसाइट द हिल ने यह जानकारी दी। ट्रंप ने सोशल ट्रुथ में कहा, मैंने अमेरिका में कोक में असली गन्ने की चीनी के इस्तेमाल के बारे में कोका कोला से बात की है। उन्होंने ऐसा करने पर सहमति जताई है। मैं कोका-कोला के सभी अधिकारियों का धन्यवाद करना चाहता हूं। आप देखेंगे, यह उनका एक बहुत अच्छा कदम होगा। ऐसा होने से कोका कोला और बेहतर होगा। इस पर कोका कोला ने बुधवार को अपनी वेबसाइट पर कहा, हमारे प्रतिष्ठित कोका कोला ब्रांड के प्रति राष्ट्रपति ट्रंप का उत्साह सराहनीय है। कोका कोला के नए उत्पादों के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ट्रंप को डाइट कोक का शौक रहा है। ट्रंप के पहले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान उनके पास ओवल ऑफिस में एक बटन था। इससे कोका कोला में सोडा मिलाने में मदद मिलती थी। तब ट्रंप एक दिन में डाइट कोक के 12 कैन पी जाते थे।

सोशल मीडिया वर्तमान में जनता से जुड़ने का सबसे सशक्त माध्यम : जमाल सिद्दीक़ी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी ने कहा कि सोशल मीडिया वर्तमान में जनता से जुड़ने का सबसे सशक्त माध्यम बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मोदी सरकार के सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण की योजनाएं, सरकार के ऐतिहासिक निर्णय तथा संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में सोशल मीडिया सशक्त माध्यम है। जमाल सिद्दीक़ी गुरुवार को भाजपा मुख्यालय में सोशल मीडिया पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला, वरिष्ठ पत्रकार इरफ़ान शेख़, राष्ट्रीय सोशल मीडिया सह प्रभारी जसवंत जैन एवं मरियम फ़ारुकी उपस्थित रहे। कार्यशाला में देशभर से विभिन्न राज्यों के प्रदेश सोशल मीडिया व सह प्रभारी सम्मिलित हुए। सिद्दीक़ी ने कहा कि वर्तमान युग डिजिटल युग है जिसमें त्वरित जानकारी और त्वरित प्रतिक्रिया प्रत्येक व्यक्ति के पास उपलब्ध है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के साइबर योद्धा होने के नाते आप की जिम्मेदारी है कि हम सभी भ्रामक कंटेंट पर प्रतिक्रिया करने से बचे और सोशल मीडिया के माध्यम से जनता तक तथ्यपरक जानकारी पहुंचाएं।

नेतन्याहू को बड़ा झटका : एक और सहयोगी पार्टी गठबंधन से अलग, इजराइल में राजनीतिक अस्थिरता गहराई

तेल अवीव

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बुधवार को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा, जब उनकी प्रमुख गठबंधन सहयोगी पार्टी शास ने सरकार से अलग होने की घोषणा कर दी। इस कदम के बाद नेतन्याहू की सरकार संसद में अल्पमत में आ गई है, वो भी ऐसे समय में जब देश पहले से ही कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। शास पार्टी, जो कि इजराइली राजनीति में लंबे समय से किंगमेकर की भूमिका निभाती आई है, ने सरकार द्वारा अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स यहूदी समुदाय के लिए सैन्य सेवा से छूट देने वाले कानून को लागू न करने पर नाराजगी जताते हुए इस्तीफे का फैसला किया। पार्टी के मंत्री माइकल मालकीएली ने कहा, वर्तमान स्थिति में सरकार में बने रहना और उसका हिस्सा होना असंभव है। हालांकि, शास ने यह भी स्पष्ट किया कि वह नेतन्याहू की सरकार को बाहर से अस्थिर नहीं करेगी और कुछ विधेयकों पर उसका समर्थन जारी रख सकती है, जिससे नेतन्याहू को एक अस्थायी राहत मिल सकती है। इस्तीफे लागू होने के बाद नेतन्याहू की गठबंधन सरकार के पास अब केवल 50 सीटें बचेंगी, जबकि इजराइली संसद (क्नेसेट) में कुल 120 सीटें हैं। इससे पहले मंगलवार को एक अन्य अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स पार्टी यूनाइटेड टोरा जूडाइज़्म (यूटीजे) ने भी गठबंधन छोड़ दिया था। दोनों ही दल सैन्य भर्ती छूट से जुड़े विवाद पर नाराज थे। शास पार्टी के इस्तीफों को लागू होने में 48 घंटे लगेंगे, जो नेतन्याहू को अपने गठबंधन को फिर से साधने का समय देगा। इसके अलावा, संसद अब ग्रीष्मकालीन अवकाश पर जा रही है, जिससे अगले कुछ महीनों तक कोई अहम विधायी गतिविधि नहीं होगी। यह नेतन्याहू को पीछे हटे दलों को मनाने का मौका भी दे सकती है।

दरअसल, इजराइल में अधिकांश यहूदी नागरिकों के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। लेकिन अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स यहूदी समुदाय के पुरुषों को दशकों पहले एक विशेष व्यवस्था के तहत इससे छूट दी गई थी, जिससे हजारों लोगों को इससे छूट मिल रही है। अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय का तर्क है कि

मुझे कुछ होता है तो आसिम मुनीर होंगे जिम्मेदार: पूर्व पीएम इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। इस बीच उन्हे मौत का डर सताने लगा है। उन्होने अपनी पार्टी के सदस्यों से कहा कि यदि जेल में उनके साथ कोई भी अनहोनी होती है तो उसके जिम्मेदार सेनाध्यक्ष प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर होंगे। वहीं क्रिकेटर से नेता बने 72 वर्षीय खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) शहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान पर खान को रिहा करने के लिए दबाव बनाने के लिए पांच अगस्त से पूरे देश में एक बड़े अभियान की शुरुआत करने की तैयारी कर रही है। खान की बहन अलीमा खान ने भी संवाददाताओं को बताया कि इमरान खान ने पीटीआई के सदस्यों को संदेश दिया है कि अगर जेल में उनके साथ कुछ भी होता है तो जनरल असीम मुनीर को उसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाए। खान ने कहा कि इसके लिए जवाबदेही होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि वह पूरी तरह से जानते हैं कि एक कर्नल और जेल अधीक्षक असीम मुनीर के आदेश पर कार्रवाई कर रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, इसलिए मैं अपनी पार्टी को स्पष्ट निर्देश देता हूं कि अगर जेल में मेरे साथ कुछ भी होता है तो असीम मुनीर को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। खान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हाल के दिनों में, जेल में मेरे साथ होने वाला कठोर व्यवहार और भी बढ़ गया है। यही रवैया मेरी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ भी अपनाया जा रहा है। यहां तक कि उनकी कोठरी का टीवी भी बंद कर दिया गया है। हम दोनों के सभी बुनियादी अधिकार चाहे वे मानवीय हों या कैदियों को दी गई कानूनी निलंबित कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी पूरी जिंदगी जेल में बिताने को तैयार हूं, लेकिन अत्याचार और दमन के आगे झुकने का सवाल ही नहीं उठता। पाकिस्तान की जनता के लिए

अलास्का के ल्यूशियन द्वीप समूह में 7.3 तीव्रता का भूकंप सुनामी का खतरा टला

वाशिंगटन

उत्तर अमेरिका के पश्चिमोत्तरी सीमा पर स्थित अलास्का प्रांत का ल्यूशियन द्वीप समूह बुधवार दोपहर भूकंप के तेज झटकों से हिल गया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.3 दर्ज की गई। इसके बाद अलास्का तट के बड़े हिस्से पर कई घंटों तक सुनामी की आशंका के मद्देनजर नजर रखी गई।

खबर के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि सुनामी की चेतावनी को बाद में परामर्श में बदल दिया गया। फिलहाल किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:38 बजे (पूर्वी समयानुसार शाम 4:38 बजे) आया और इसका केंद्र पोपोफ द्वीप पर स्थित सैंड पॉइंट से 55 मील दक्षिण में था। इसकी गहराई 12 मील थी। सतर्क रहने के लिए जारी परामर्श में अल्यूशियन द्वीप समूह में यूनिमक दर्रे से लेकर कैनेडी प्रवेश द्वार तक का हिस्सा शामिल किया गया।

लगभग 5,500 की आबादी वाले शहर कोडियाक में आपातकालीन अधिकारियों ने घोषणा की कि भयभीत होने की जरूरत नहीं है। अगर सुनामी आती है तो आश्रय स्थल खोल दिए जाएंगे और सायरन बजाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि दोपहर 2:45 बजे सुनामी का खतरा टल गया।

सैंड पॉइंट की नगर प्रशासक डेबी श्मिट ने बताया कि यह अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप था। उन्होंने कहा, मैं दोपहर के भोजन के लिए घर पर थी। घर हिल रहा था। सामान गिर रहा था। अलमारियों के दरवाजे खुल रहे थे। हालांकि, कोई नुकसान नहीं हुआ।

अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र के अनुसार 1900 से इस क्षेत्र में 12 शक्तिशाली भूकंप आ चुके हैं। 7 मई, 1996 को 8.0, 10 जून, 1996 को 7.9, 17 नवंबर, 2003 को 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था। पहला सबसे शक्तिशाली भूकंप 17 अगस्त, 1906 को पश्चिमी अल्यूशियन चाप में अमचिटका द्वीप आया था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 8.3 दर्ज की गई थी।

क्या रुसी हमले को रोक पाएगा अमेरिका-यूक्रेन का पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम

अमेरिका और यूक्रेन के बीच पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम को लेकर हुई हालिया बातचीत वैश्विक सुरक्षा समीकरणों में अहम मानी जा रही है। जुलाई में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका यूक्रेन को अतिरिक्त पैट्रियट सिस्टम देगा, जिसका खर्च नाटो देश उठाएंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की पहले ही 10 पैट्रियट सिस्टम खरीदने की पेशकश कर चुके हैं, जिसकी कीमत करीब 15 अरब डॉलर बताई जा रही है, लेकिन अमेरिका ने इन्हें सहायता के रूप में देने का फैसला किया है। पैट्रियट सिस्टम, जिसे एमआईएम-104 पैट्रियट कहा जाता है, अमेरिकी रक्षा कंपनी रेथियॉन द्वारा विकसित एक उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम है।

पंजाब में भिखारियों का होगा डीएनए टेस्ट, अमृतसर में धरपकड़ शुरू

चंडीगढ़

पंजाब में भिखारियों की लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए सरकार के निर्देशों पर इन्हें हिरासत में लेना शुरू कर दिया गया है। अब भिखारियों तथा उनके साथ भीख मांगने वाले बच्चों को डीएनए टेस्ट करवाया जाएगा। पंजाब में भिखारियों की लगातार बढ़ रही संख्या का मुद्दा विधानसभा में भी पूर्व समय के दौरान उठ चुका है। सीआईडी ने इनपुट दिया है कि इनमें कुछ भिखारी संदिग्ध हैं। पूर्व समय के दौरान कुछ भिखारी असमाजिक गतिविधियों में लिप्त भी पाए गए हैं, जिसके चलते पंजाब सरकार ने सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि वे ऐसे बच्चों का डीएनए टेस्ट कराएं, जो संदेहास्पद परिस्थितियों में भीख मांगते दिखते हों। शक है कि कई मामलों में ये बच्चे उनके माता-पिता के नहीं होते

और मानव तस्करी या जबरन मजदूरी का शिकार हो सकते हैं।

सरकार के आदेशों के बाद अमृतसर प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया है। गुरुवार को अमृतसर के गोल्डन गेट इलाके में घूम रहे कई भिखारियों और उनके बच्चों को हिरासत में लिया गया। प्रशासन और पुलिस ने विशेष रूप से उन भिखारियों को पकड़ा, जो छोटे बच्चों को साथ लेकर भीख मांग रहे थे।

माउंट एवरेस्ट और माउंट किलिमंजारो अभियान पूरा करके लौटे पर्वतारोही, रक्षा सचिव ने किया स्वागत

इन अभियानों ने दुनिया भर के युवा पर्वतारोहियों को प्रेरित करने के लिए नए मानक स्थापित किए

नई दिल्ली

माउंट एवरेस्ट और माउंट किलिमंजारो अभियान पूरा करके पर्वतारोहियों का दल गुरुवार को दिल्ली लौट आया, जहां साउथ ब्लॉक में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने पर्वतारोहियों का स्वागत किया। माउंट एवरेस्ट अभियान के दल ने खुम्बू घाटी से होते हुए 23 मई को विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की। इसी तरह अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो पर 8 अगस्त, 2024 को अभियान दल ने सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। माउंट एवरेस्ट और माउंट किलिमंजारो के पर्वतारोहण अभियानों का दल दिल्ली लौटा। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने गुरुवार को साउथ ब्लॉक में औपचारिक रूप से स्वागत किया। माउंट एवरेस्ट का यह अभियान उत्तरकाशी के नेहरू पर्वतारोहण संस्थान की ओर से दार्जिलिंग के हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान और जम्मू और कश्मीर के जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान के सहयोग से किया गया था। इसी तरह अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो का अभियान हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान ने आयोजित किया था। इस

अभियान में दिव्यांग उदय कुमार भी शामिल थे, जिनका घुटने के नीचे का हिस्सा 91 प्रतिशत तक प्रभावित था। रक्षा सचिव ने अपने संबोधन में दोनों दलों के अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और साहस की सराहना करते हुए इस बात पर बल दिया कि ये मिशन केवल चोटियों पर चढ़ाई करने के संदर्भ में नहीं थे, बल्कि साहसिक खेलों में भारत की पर्वतारोहण उत्कृष्टता और नेतृत्व को प्रदर्शित करने से भी जुड़े थे। उन्होंने कहा कि माउंट एवरेस्ट और माउंट किलिमंजारो पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करके इन दलों ने देश और दुनिया भर के युवा पर्वतारोहियों को प्रेरित करने के लिए नए मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने रक्षा मंत्रालय के चारों संस्थानों और राष्ट्रीय पर्वतारोहण एवं साहसिक खेल संस्थान (निमास) को इस दृष्टिकोण का ज्वलंत उदाहरण बताया। माउंट एवरेस्ट अभियान का नेतृत्व नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रधानाचार्य कर्नल अंशुमान भदौरिया ने किया। दल के अन्य सदस्यों में कर्नल हेम चंद्र सिंह (उप-प्रमुख) और तीनों संस्थानों के प्रशिक्षक राकेश सिंह राणा, सूबेदार बहादुर पाहन, हवलदार राजेंद्र मुखिया, एनके थुपस्तान त्सावांग और पासंग तेनजिंग शेरपा शामिल थे। इस दल ने खुम्बू घाटी से होते हुए 23 मई को विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की। इस अभियान का उद्देश्य प्रशिक्षकों को एवरेस्ट का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना था, जिससे वे पर्वतारोहियों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित और प्रशिक्षित कर सकें।

माउंट किलिमंजारो अभियान का नेतृत्व हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान के प्रधानाचार्य ग्रुप कैप्टन जय किशन ने किया। दल के अन्य सदस्यों में कैप्टन श्रुति, सब-इंस्पेक्टर महेंद्र कुमार यादव, पावेल शर्मा और कुमारी सुलक्षणा तमांग थे। इस दल ने 8 अगस्त, 2024 को माउंट किलिमंजारो पर सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद इस दल ने तंजानिया के दार-ए-सलाम के पास हिंद महासागर में 35 फीट की गहराई पर पानी के भीतर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

ब्रीफ न्यूज़

घर-घर से कचरा संग्रहण में उज्जैन रहा अव्वल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया सम्मानित

महापौर निगम सभापति और आयुक्त ने लिया अवॉर्ड सुपर स्वच्छ लीग सिटी में उज्जैन दूसरे पायदान पर आया

उज्जैन। उज्जैन को स्वच्छता में श्रेष्ठ रहने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सम्मानित किया। सुपर स्वच्छ लीग सिटी में उज्जैन दूसरे पायदान पर आया है। प्रदेश के आठ शहरों को अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार मिले हैं। लीग श्रेणी में इंदौर, उज्जैन और बुधनी शामिल है। उज्जैन को यह पुरस्कार कचरा संग्रहण, कचरा निपटान, प्रमुख स्थलों पर स्वच्छता में अच्छी रैंकिंग की वजह से मिला है। पुरस्कार समारोह में शामिल होने के लिए उज्जैन नगर निगम से महापौर, निगम सभापति कलावती यादव और निगमायुक्त आशीष पाठक सहित 10 सदस्यीय दल दिल्ली पहुंचा। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति उज्जैन को सुपर लीग श्रेणी में दूसरे स्थान पर आने के लिए पुरस्कार प्रदान किया। उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में अवॉर्ड मिला। इस बार स्वच्छता मिशन के मानकों के अनुसार एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) को बेहतर ढंग से अपनाया। स्वच्छता मानक ने अव्वल रखा व्यक्तिगत घरेलू व सार्वजनिक शौचालयों को नए शौचालयों में बदलना। घर-घर से कचरा संग्रहण व वैज्ञानिक तरीके से निपटान। प्रमुख धार्मिक व दर्शनीय स्थल पर सफाई। सफाई के प्रति जन जागरुकता। स्वच्छता कर्मचारियों और अधिकारियों को ट्रेनिंग।

भव्य बाणेश्वरी कावड़ यात्रा -श्रद्धा, ऊर्जा और भक्ति का अद्भुत संगम

धार। इंदौर शहर की भव्य बाणेश्वरी कावड़ यात्रा महेश्वर घाट से मां नर्मदा का जल लेकर महाकाल की नगरी उज्जैन तक सनातनी विधायक श्री गोलू जी शुक्ला के नेतृत्व में निकाली जा रही है। इस कावड़ यात्रा -श्रद्धा, ऊर्जा और भक्ति का अद्भुत संगम देखा जा रहा है। जिले के गुजरी मानपुर के बीच गणपति घाट पर बाणेश्वरी कावड़ यात्रा संयोजक विधायक श्री गोलू शुक्ला, श्री कमल शुक्ला एवं दीपेंद्र सिंह सोलंकी के साथ ही इंदौर शहर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा का स्वागत ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया के प्रदेश महासचिव ज्ञानेंद्र त्रिपाठी एवं सर्व ब्राह्मण समाज युवा संगठन धार महासचिव विजय दवे, राजा शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा,नमन रावल द्वारा किया गया, तथा कावड़ यात्रा में सहभागिता की। ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया के प्रदेश महासचिव श्री त्रिपाठी ने बताया कि बाणेश्वरी कावड़ यात्रा केवल पदयात्रा नहीं, बल्कि श्रद्धा, ऊर्जा और शिवभक्ति की जीवंत मिसाल बन गई है। डमरू की ताल, भगवा पताकाएं और भक्तों की अखंड आस्था से संपूर्ण मार्ग दिव्यता से आलोकित हो गया। हजारों शिवभक्तों के बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण शिवमय हो उठा।जैसे-जैसे यात्रा गुजरी से आगे बढ़ी, मार्ग में धर्मप्रेमी जनसमूह ने पुष्पवर्षा, शीतल जल सेवा, फल वितरण व जयघोषों से कावड़ियों का भव्य स्वागत किया।

नशा मुक्ति हेतु जिला जेल में हुआ कार्यक्रम

सीहोर। नशे से दूरी जरूरी अभियान के तहत आज बुधवार को बेथेल फॉर रेफ्यूज वेलफेयर सोसाइटी द्वारा जिला जेल सीहोर में पंद्रह दिवसीय सेमिनार के आयोजन का आरम्भ किया गया। इस कार्यक्रम के पहले दिन उपस्थितजनों द्वारा सभी जेल बंदियों को नशे से होने वाले शारीरिक, आत्मिक और भावनात्मक नुकसान के बारे में समझाया गया तथा उनको नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया गया। इस कार्यक्रम में जिला जेल उप अधीक्षक अक्षय कुमार, संस्था के संस्थापक रोबी मैथ्यू और बूसी रोबी सहित अनेक जेलकर्मी और बंदी जन उपस्थित रहे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने पंच सरपंच सम्मेलन को किया सम्बोधित

जहां आबादी है वहां प्रधानमंत्री सड़क जाएगी: मंत्री प्रहलाद पटेल

हमारा प्रयास है कि कोई भी पंचायत क्षेत्र पंचायत भवन विहीन नहीं होगा

दीनबन्धु, खरगोन
dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने राधा कुंज में आयोजित पंच सरपंच सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा प्रयास है कि कोई भी पंचायत क्षेत्र पंचायत भवन विहीन नहीं होगा। पहले जिस पंचायत के निर्माण में 15 लाख रुपए हुआ करता था अब वह राशि बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दी गई है। साथ ही भवन व स्थान की आवश्यकता अनुसार ऊपर बनाए जाने का प्रावधान भी किया गया है। मंत्री श्री पटेल ने आगे कहा कि हमारे भारतीय विचारकों का मत है कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है जब तक गांव स्वावलंबी नहीं होगा देश मजबूत नहीं हो सकता। गांव के विकास के लिए सरकार हमेशा तत्पर है। उन्होंने कहा कि पंच सरपंच को अपने कर्तव्यों के बारे में सजग रहना होगा ताकि वह अपने ग्राम स्तर की समस्या का समाधान कर सके। आजादी के समय में जब पंचायती राज की

कल्पना की गई थी तो पंच को परमेश्वर का स्थान दिया गया था। उन्होंने स्वच्छता प्रबंधन पर बल देते हुए कहा कि किसी भी स्थान पर जलमल की सही निकासी नहीं होने से संगमरमर के महल का कोई औचित्य नहीं होता। अतः स्वच्छता प्रबंधन के लिए इन सब बातों का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। मंत्री श्री पटेल ने पर्यावरण व पौधा रोपण की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जब पत्थर में पौधा हो सकता है तो मिट्टी में क्यों नहीं, बस आवश्यकता है हमारे प्रयासों की। ठिबगांव में वृहद स्तर पर आयोजित पौधारोपण कार्य की प्रशंसा करते हुए सभी को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने जल गंगा संवर्धन में उत्कृष्ट कार्य करने पर संबंधितों को प्रशंसा पत्र भी प्रदान किए गए। मंत्री श्री पटेल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में कहा कि पीएम आवास में पात्र व्यक्ति को आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। हम शीघ्र अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ उपलब्ध करा देंगे। जो लोग प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में छूट गए हैं उनका तीसरा सर्वे होगा। जिसमें कोई भी पात्र व्यक्ति प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित नहीं रहेगा। इस दौरान मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री सड़क की परिभाषा में राजस्व ग्राम ही हैबिटेशन माना जाता था। इस नियम में संशोधन होने से कार्य और भी सुलभ हो गया है, जहां आबादी है वहां प्रधानमंत्री सड़क जाएगी। सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि पंच सरपंच ही वो कड़ी है जो सरकार की किसी भी योजना को धरातल पर लाते है। एक सरपंच पूरे गांव का प्रतिनिधित्व करता है। सरपंच ही वो प्रतिनिधि होता है जो अपने पंचों के साथ पूरे गांव का नेतृत्व करता है। इस दौरान विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार ने कहा कि पंच सरपंच लोकतंत्र की सबसे अहम कड़ी है। इस दौरान कार्यक्रम में सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल, विधायक बालकृष्ण पाटीदार, सचिन बिरला, राजकुमार मेव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुबाई तंवर, उपाध्यक्ष बापूसिंह परिहार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, पूर्व विधायक श्री बाबूलाल महाजन, आत्माराम पटेल एवं श्री भूपेन्द्र आर्य, जिला अध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राम्हणे, जिला पंचायत सीईओ श्री आकाश सिंह, एसडीएम श्री बीएस कलेश सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री पटेल ने ठिबगांव में किया पौधारोपण, कचरा वाहन की दी सौगातः मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने 17 जुलाई को ठिबगांव में वृहद स्तर पर आयोजित 51 हजार पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान मंत्री पटेल द्वारा पूर्व में लगाए गए लगभग 52 हजार पौधे जो कि अब वृक्ष का रूप धारण कर चुके हैं उनका अवलोकन किया गया। मंत्री श्री पटेल ने वहां लगे पौधों को देखकर ठिबगांव ग्राम पंचायत के अतुलनीय कार्य के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा बिना फेंसिंग के पौधे इतने अच्छे है ये आपके समर्पित भाव का प्रमाण है। इस दौरान उन्होंने पौधारोपण किया। मंत्री श्री पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि जहां जहां पौधारोपण हुआ है वहां वहां फेंसिंग के लिए हम प्रतिबद्ध है। कोई समस्या है तो उसके स्थाई समाधान की जरूरत है। बच्चों द्वारा अगर एक पौधा लगाया जाएगा तो हम भविष्य में शुद्ध हवा की गारंटी दे पाएंगे। इस दौरान मंत्री श्री पटेल ने पंचायत निधि से स्वीकृत कचरा वाहन का फीता काट कर गांव को सौंपा।

स्वच्छता सर्वेक्षण: बुधनी और शाहगंज बने सिरमौर राष्ट्रपति से मिला पुरस्कार; कई योजनाएं बनीं उदाहरण

दीनबन्धु, सीहोर
dinbandhunews.com

बुधनी को पिछले वर्ष स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में वेस्ट जोन में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था, जिसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तत्कालीन कलेक्टर प्रवीण मिश्रा और उनकी टीम को सम्मानित किया था। इस बार एक कदम और आगे बढ़ते हुए बुधनी ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत की है। मध्यप्रदेश ने एक बार फिर स्वच्छता के क्षेत्र में देश भर में अपनी विशेष पहचान बनाई है। गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के राष्ट्रीय समारोह में सीहोर जिले की दो नगर परिषदों बुधनी और शाहगंज को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया गया। बुधनी को बड़े निकायों में मिला राष्ट्रीय सम्मान 15 हजार से अधिक जनसंख्या वाले नगरीय निकायों की

श्रेणी में बुधनी नगर परिषद को देश में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। बुधनी में कबाड़ से जुगाड़ कर बनाया गया वेस्ट वंडर पार्क इस उपलब्धि का मुख्य केंद्र रहा, जिसने स्वच्छता को एक रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया। बता दें कि नगर परिषद द्वारा रोजाना चलाए जा रहे सफाई कार्य, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सोर्स सेग्रीगेशन, गीले कचरे से खाद निर्माण और सूखे कचरे की एमआरएफ सेंटर में सॉर्टिंग जैसी व्यवस्थाएं इस सफलता की कुंजी रहीं। नगर परिषद के पास कुल 40 कर्मचारियों की टीम है, जो दो शिफ्ट में नगर को स्वच्छ बनाए रखने में जुटी रहती है। नगर सीएमओ संतोष रघुवंशी ने बताया कि स्वच्छता टीम के साथ-साथ वार्ड पार्षद, अध्यक्ष और नागरिकों की सहभागिता से ही यह सफलता मिली है। वहीं स्वच्छता एंबेसडर अर्जुन मालवीय ने वार्डों का समय-समय पर निरीक्षण कर लोगों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाई। पिछले साल भी मिली थी राष्ट्रीय रैंकिंग बुधनी को पिछले वर्ष स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में वेस्ट जोन में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था, जिसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तत्कालीन कलेक्टर प्रवीण मिश्रा और उनकी टीम को सम्मानित किया था। इस बार एक कदम और आगे बढ़ते हुए बुधनी ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत की है।

बामलाबे जोड़ पर हुए बस दुर्घटना के पीड़ितों से राज्यमंत्री पंवार ने जाना हालचाल

राजगढ़। प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग श्री नारायण सिंह पंवार ने गुरुवार को राजगढ़ जिले के बामलाबे जोड़ पर हुए दर्दनाक बस सड़क हादसे में घायल हुए व्यक्तियों से भेंट कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पंवार ने ब्यावरा सिविल अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना और डॉक्टरों को उनके बेहतर इलाज के निर्देश दिए। अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत के दौरान घटना पर दुःख व्यक्त किया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुश्किल समय में पीड़ितों के साथ खड़ी है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित तोलानी ने भी अस्पताल पहुंचकर प्रभावितों से मुलाकात कर उनके उचित उपचार के निर्देश दिए। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पंवार ने इसके उपरांत दुर्घटनास्थल का भी दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से घटना के कारणों की विस्तृत जानकारी ली और भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए। बामलाबे जोड़ के पास एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसमें कई यात्री घायल हो गए थे।

स्वच्छता रैंकिंग में अभूतपूर्व प्रदर्शन के लिए महापौर सुशील तिवारी का किया स्वागत किया

सागर। पिछले साल 70 वीं रेंक से इस बार 10 वीं रेंक प्राप्त होने पर महापौर ने शहरवासियों के सकारात्मक सहयोग सहित स्वच्छता मित्रों के अथक परिश्रम की तारीफ करते हुए निगम के पार्षदों ,अधिकारियों,कर्मचारियों के रचनात्मक सहयोग को भी इस उपलब्धि के लिए प्रेरक माना। स्वागत समारोह में विशेष रूप से महापौर प्रतिनिधि सुशील

तैयारी, एम आई सी सदस्य शैलेंद्र ठाकुर,संगीता शैलेश जैन,राजकुमार पटेल,संतोष दुबे,रिशांक तिवारी,दिनकर तिवारी,प्रियंक दुबे,नीरज करोसिया जी शुभम नामदेव नीरज करोसिया सिद्धार्थ डेंगरे अभिषेक साहू प्रियंक चाचोंदिया नमन चौबे रवि विश्वकर्मा पीयूष शर्मा शुभम सागर तखत सिंह दीपेश कोरी नितिन अवस्थी सहित गणमान्य जनो ने स्वागत किया।

नशे से दूरी है जरूरी- खरगोन पुलिस का प्रभावशाली जनजागरूकता अभियान

दीनबन्धु, खरगोन
dinbandhunews.com

नशे के बढ़ते उपयोग जो कि समाज के लिए जो गंभीर चुनौती बन रहा है, जिससे युवा पीढ़ी का लगातार भविष्य खतरे में पड़ रहा है । यह प्रवृत्ति न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालती है, बल्कि अपराधों को भी बढ़ावा देती है । इसी को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस मुख्यालय भोपाल के द्वारा दिनांक 15.07.2025 से दिनांक 31.07.2025 तक प्रदेश स्तर पर नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया था प्राप्त निदेशों के परिपालन मे पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के निर्देशन व अति. पुलिस अधीक्षक खरगोन श्रीमति शकुन्तला रुहल के मार्गदर्शन मे समस्त अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं समस्त थाना प्रभारीयों को विभिन्न विभागो के सहयोग से प्रत्येक दिन विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आम जन को नशे करने के दुष्परिणाम के प्रति प्रेरित करने के लिए निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में आज नशामुक्ति के इस जनसंकल्प को जन-जन तक पहुँचाने के लिए सोशल मीडिया प्रचार, बैनर, पंपलेट वितरण तथा जन संवाद कार्यक्रम जैसे प्रभावशाली माध्यमों का प्रयोग किया जा रहा है । साथ ही जिले के समस्त थानों पर विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जिसमे सार्वजनिक स्थानों, स्कूल, कॉलेज में छात्रों, युवाओ व नागरिको को इस जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समझाते हुए बताया गया।

चित्रकूट का होगा कायाकल्प, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को मिलेंगी विश्व स्तरीय सुविधाएं

नर्मदापुरम। भोपाल मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड और मुंबई की मेसर्स सावनी हेरिटेज कंजर्वेशन प्राइवेट लिमिटेड के बीच बुधवार को एक महत्वपूर्ण अनुबंध हुआ। इस अनुबंध के माध्यम से जिला सतना में मां मंदाकिनी नदी के तट पर चित्रकूट में विभिन्न विकास कार्य एवं सौंदर्यीकरण के कार्य होंगे, जो श्रद्धालुओं और पर्यटकों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करेंगे। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला के मार्गदर्शन और अपर प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी की अध्यक्षता में मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की योजना शाखा के प्रमुख संयुक?त संचालक श्री प्रशांत सिंह बघेल और मेसर्स सावनी हेरिटेज कंजर्वेशन प्राइवेट लिमिटेड मुंबई की ओर से श्री जीतेश कुमार ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

खरगोन पुलिस ने जवाहर मार्ग मोबाइल व किराणा दुकान में हुई चोरी की घटना का किया पदार्फाश

चोरी गये 62 मोबाइल फोन व अन्य चोरी का सामान पुलिस ने किया जप्त

दीनबन्धु, खरगोन
dinbandhunews.com

पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इन्दौर (ग्रामीण) अनुराग एवं पुलिस उप महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन सिद्धार्थ बहुगुणा के द्वारा जिला खरगोन में संपत्ति संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने के निर्देश दिये गये थे । वरिष्ठ अधिकारियो से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के द्वारा जिला खरगोन में हो रही चोरी एवं लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाकर अज्ञात आरोपियों की पतारसी व शीघ्र से शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु निर्देशित किया गया था । प्राप्त निर्देशों के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक खरगोन श्रीमति शकुन्तला रुहल के मार्गदर्शन मे जिला खरगोन के समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य मे थाना कोतवाली खरगोन मे पुलिस टीम ने जवाहर मार्ग स्थित मोबाइल व किराणा दुकान में चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने सफलता हासिल की है। फरियादी आयुष निवासी जवाहर नगर खरगोन ने 10,11/07/2025 की दरम्यानी रात्री में कोई अज्ञात बदमाश शटर व दरवाजे का ताला तोडकर अंदर प्रवेश कर अलमारीयो में रखे विवो कम्पनी के मोबाईल एवं रिपेयर के मोबाईल व पेन ड्राईव ऐसरीज चार्जर के चुराकर ले जाने की सुचना दी थी जिसपर थाना कोतवाली खरगोन पर

अपराध क्रमांक -303/2025 धारा झ 331(4),305(ए) का अज्ञात आरोपी के विरुद्ध कायम कर विवेचना में लिया गया था ।

उसी रात जवाहर मार्ग खरगोन में स्थित किराणा दुकान से भी कोई अज्ञात बदमाश दुकान का शटर उचाकर अंदर प्रवेश कर दुकान से 10 तेल के डिब्बे चना दाल के 3 कट्टे अन्य खाद्यान सामग्री किमती - 25,500 रुपये का चुराकर ले जाने की सुचना पर पर अपराध क्रमांक - 309/2025 धारा झ 331(4),305(ए) का अज्ञात आरोपी के विरुद्ध कायम कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस कार्यवाहीः खरगोन शहर मे चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरगोन श्रीमति शकुन्तला रुहल व एसडीओपी खरगोन श्री रोहित लखारे व थाना प्रभारी खरगोन श्री बीएल मंडलोई के नेतृत्व में थाना कोतवाली खरगोन से पुलिस टीम का को मौके पर रवाना किया गया व आसपास के क्षेत्र व सभी संभावित रास्तों के सीसीटीव्ही कैमरे खंगाले गए व मुखबिरों को भी सक्रिय कर घटना से जुड़ी जानकारी देने के लिए लगाया गया। पुलिस टीम ने उक्त चोरी के मामले मे आसपास के लोगों से चर्चा कर सीसीटीव्ही कैमरे मे दिख रहे संदिग्धों को चिन्हित किया गया व संदिग्धों के संबंध मे जानकारी जुटाई गयी। इसके अलावा टीम ने पुलिस का पुराना तरीका अपनाते हुए मुखबिरों को सक्रिय कर चिन्हित संदिग्धों कि जानकारी एकत्रित करने हेतु लगाया गया। परिणामस्वरूप पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, सीसीटीव्ही कैमरे में दिख रहा संदिग्ध का हुलिया उमेश उर्फ फटफटी ग्राम सेल्दा से मिलता जुलता है जो ऐसी घटना करता रहता है । मुखबीर द्वारा बताये गये हुलिये के आधार पर पुलिस टीम के द्वारा उमेश उर्फ फटफटी पिता आत्माराम यादव उम्र 25 साल निवासी ग्राम सेल्दा थाना भीकनगाँव को टीम द्वारा पकडा गया, जिससे मनोवैज्ञानिक व बारीकी से पूछताछ करने पर उन्होंने उक्त चोरी को कारित करना स्वीकार किया ।

प्रथम तिमाही मे यात्री यातायात से 633 करोड़ का राजस्व अर्जित किया

आरक्षित एवं अनारक्षित सहित 297 लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा की

दीनबन्धु, जबलपुर
dinbandhunews.com

पश्चिम मध्य रेल जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मण्डलों के यात्री यातायात में निरंतर वृद्धि हो रही है। महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से जून तक यानि तीन माह में यात्री यातयात से 633 करोड़ 76 लाख रुपए ऑरिजनेटिंग राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष का राजस्व 611 करोड़ 82 लाख रुपए की तुलना में लगभग 4 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान आरक्षित एवं अनारक्षित सहित कुल 297 लाख 16 हजार यात्रियों ने यात्रा की जो गत वर्ष की तुलना में लगभग 9 प्रतिशत अधिक है। अकेले जून माह की बात करे तो 217 करोड़ 69 लाख रुपए यात्री यातायात से ऑरिजनेटिंग राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 198 करोड़ 55 लाख रुपए की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है। जिसमें आरक्षित एवं अनारक्षित सहित कुल 98 लाख 29 हजार यात्रियों ने यात्रा की जो गत वर्ष की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक है। तीनों मण्डलों में प्रथम तिमाही का यात्री यातायात राजस्व इस प्रकार है जबलपुर मण्डल में 110 लाख 90 हजार बुक किए गए यात्रियों से 250 करोड़ 60 लाख रुपए राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष 99 लाख 51 हजार बुक किए गए यात्रियों से अर्जित राजस्व 237 करोड़ 85 लाख रुपए की तुलना में राजस्व 5 प्रतिशत अधिक है। भोपाल मण्डल में 105 लाख 30 हजार बुक किए गए यात्रियों से 242 करोड़ 76 लाख रुपए राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष 96 लाख 2 हजार बुक किए गए यात्रियों से 233 करोड़ 96 लाख रुपए की तुलना में राजस्व लगभग 4 प्रतिशत अधिक है। कोटा मण्डल में 80 लाख 96 हजार बुक किए गए यात्रियों से 140 करोड़ 41 लाख रुपए राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष 77 लाख 42 हजार बुक किए गए यात्रियों से 140 करोड़ 1 लाख रुपए की तुलना में राजस्व 0.28 प्रतिशत अधिक है।

नई दिल्ली में पैट्रोलियम मंत्रालय की ऊर्जा वार्ता बैठक में शामिल हुए खाद्य मंत्री

देश में कम दर पर ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा देना होगा: गोविन्द सिंह राजपूत

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि हमे देश में कम दर पर ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह अन्य विकसित देशों में यह देखने में आता है कि उनके द्वारा इन्टीग्रेडेट एप्रोच अपनाने से प्रोडेक्टीविटी बढ़ती है और ऊर्जा की लागत तुलनात्मक रूप से कम आती है। कुछ इसी तरह के उपाय हमें भी अपनाना चाहिए, ताकि कम दर पर ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा मिल सके। श्री राजपूत नई दिल्ली में पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा आयोजित ऊर्जा वार्ता बैठक में अपने उद्बोधन के दौरान यह बात कही। केन्द्रीय पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में देश के सभी राज्यों के उद्योग एवं खाद्य मंत्री शामिल हुए।

मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने मध्यप्रदेश में जैव ऊर्जा योजना 2025 का जिक्र करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार ने 280 करोड़ के निवेश से 12 जैव ईधन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री डॉ. यादव हमारे प्रदेश में लगातार नये नये उद्योग लगाने के प्रयास कर रहे हैं। श्री राजपूत ने बताया कि मध्यप्रदेश में शहरी गैस वितरण नीति 2025 लागू की गई है। जिसमें आगामी 6 से 8 वर्षों के बीच प्रदेश में 55 जिलों में घरों तक पाईप के माध्यम से प्राकृतिक गैस और सीएनजी स्टेशनों के मध्यम से वाहनों में सीएनजी नेटवर्क स्थापित करने की योजना है।

म.प्र. में 2028 तक हरित परियोजना चालू करने का लक्ष्य

बैठक को संबोधित करते हुए खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि मध्यप्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में हरित हाईड्रोजन के एमओयू साइन किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने 2028 तक एक हरित परियोजना चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। श्री राजपूत ने कहा कि हमने राज्य में 2025 तक 20 प्रतिशत इनेथॉल मिश्रणयुक्त ईंधन उपयोग करने का लक्ष्य रखा है।

बीना रिफाइनरी की धीमी प्रगति से केन्द्रीय मंत्री को कराया अवगत

बैठक के दौरान खाद्य मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने मध्यप्रदेश के सागर जिले के बीना में स्थित बीना रिफाइनरी में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 50 हजार करोड़ के निवेश की राशि मिलने के बाद भी कार्यों की धीमी प्रगति से केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को अवगत कराते हुए कार्य में तेजी लाये जाने का अनुरोध किया। जिस पर केन्द्रीय मंत्री श्री पुरी ने मध्यप्रदेश में ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश को मजबूत करने के लिये बीना रिफाइनरी के कार्यों में गति लाने का भरोसा श्री राजपूत को दिया।

मीटर रीडिंग में गड़बड़ी करने वाले 2 मीटर रीडर की सेवाएं समाप्त

भोपाल। रायसेन वृत्त में विद्युत मीटर रीडिंग के दौरान गड़बड़ी करने वाले 2 मीटर रीडरों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। साथ ही 14 मीटर रीडरों को कार्य में लापरवाही के लिये नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। रायसेन वृत्त के महाप्रबंधक श्री प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में सिलवानी वितरण केन्द्र के मुआर पाठ सब स्टेशन के मीटर रीडर श्री दीपक जाटव तथा सेवांस्री सब स्टेशन के मीटर रीडर श्री अंकित सेन की सेवा समाप्त कर दी गई है। साथ ही ऐसे मीटर रीडर जिनका परफॉर्मेंस लक्ष्य के अनुरूप नहीं पाया गया, इन 14 मीटर रीडरों को आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से नोटिस जारी किये गये हैं।

शुभांशु शुक्ला का छाया चित्र लेकर मंडल का 12 वा जत्था अमरनाथ हुआ रवाना

भोपाल। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि 85 श्रद्धालुओं का 12 वा जत्था मण्डल अध्यक्ष राज कुमार शर्मा के नेतृत्व में भारत के गौरव अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की छायाचित्र लेकर अमरनाथ रवाना हुआ। इस जत्थे में 26 महिलाएं शामिल है। रिंकू भटेजा ने आगे बताया कि 3 जुलाई से अब तक 14 दिनों में 2,47,000 यात्रियों ने बाबा बर्फानी के दर्शन कर लिए हैं । 17 जुलाई को अमरनाथ में मूसलाधार वर्षा होने के कारण पहलगाम एवं बालटाल दोनों मार्गों से यात्रा स्थगित कर दी गई है* ।

देश का दूसरा सबसे साफ शहर भोपाल: 12,500 में से 12067 अंक किए हासिल

स्वच्छता मित्रों और नागरिकों ने लड्डू बांटे और सम्मान पर जश्न मनाया

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

भोपाल को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में देश का दूसरा सबसे साफ शहर घोषित किया गया है। यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में दिया। भोपाल ने इस बार तीन स्थान की छलांग लगाई है और 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की कैटेगरी में दूसरा स्थान हासिल किया है

पुरस्कार लेने के लिए भोपाल की महापौर मालती राय और निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण बुधवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने बताया कि छह साल बाद भोपाल फिर से टॉप-2 में आया है, इसलिए शहर में जश्न भी बड़े स्तर पर मनाया । स्वच्छता मित्रों और नागरिकों के साथ मिलकर लड्डू बांटे जाएंगे और सम्मान का जश्न मनाया

भोपाल को 12,067 अंक मिलें, 7 स्टार रैंकिंग भी मिली

कचरा मुक्त शहरों की श्रेणी में भोपाल को 7 स्टार रैंकिंग भी मिली है। वहीं, भोपाल ने देश की सबसे स्वच्छतम राजधानी होने के साथ ही वाटर+ सिटी का गौरव भी बरकरार रखा है। रीड्यूज, रियूज, रिसायकल थीम पर हुए स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में भोपाल नगर निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण में निर्धारित 10 हजार अंकों में से 9567 अंक और सर्टिफिकेशन के लिए निर्धारित 2500 अंकों में से पूरे अंक प्राप्त किए। इस प्रकार 12 हजार 500 अंकों में से भोपाल शहर ने 12 हजार 067 अंक अर्जित करते हुए 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में दूसरा और प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

इन वजहों से नंबर-2 पर आया भोपाल

बता दें कि शहर में हर रोज 850 टन सूखा और गीला कचरा निकलता है। इनमें से करीब साढ़े चार सौ टन कचरा गीला होता है। इसे डोर-टू-डोर एकत्रित किया जाता है। सैनेटरी वेस्ट 5 टन और 52 टन प्लास्टिक का कचरा भी निकता है। ई-वेस्ट करीब 1.5 टन प्रतिदिन है।

मंदिरों से हार-फूल भी एकत्रित करता है निगम

बता दें कि निगम मंदिरों से भी हार फूल एकत्रित करता है। जिसका खाद बनाया जाता है। गणेश उत्सव और नवदुर्गा उत्सव के दौरान वार्ड वाइज कचरा गाड़ियां चलाई जाती है।

निगम के पास ये संसाधन

निगम के पास 250 नए सीएनजी डोर-टू-डोर वाहन, 6 मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग जैसे वाहनों का इंतजाम इसी साल किया गया है। इस वजह से अब डोर-टू-डोर कचरा एकट्ठा करने में परेशानी भी नहीं आ रही है।

निगम अध्यक्ष ने मिठाई खिलाकर सफाईमित्रों का सम्मान किया।

जीआईएस के चलते राजधानी में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के काम शहर में हुए हैं। इसमें स्वच्छता से जुड़े काम भी शामिल थे। इसी दौरान स्वच्छता सर्वेक्षण टीमें भी भोपाल पहुंची थी।

कर्मचारियों ने जश्न मनाया, जमकर थिरके

जोन-16 मीनल रेजिडेंसी में भोपाल को स्वच्छता में देशभर में दूसरी रैंक मिलने की खुशी में कर्मचारियों ने जश्न मनाया। मिठाई बांटी गई, एक-दूसरे को बधाई दी गई और सभी जमकर थिरके।

भोपाल के एमपी नगर चौराहे के पास सड़क पर हुआ 10 फीट का गड्ढा

भोपाल। प्रदेश में सड़कों और पुलों की गुणवत्ता को लेकर चल रहे विवादों के बीच आज राजधानी भोपाल में भारी बारिश के बाद महाराणा प्रताप नगर चौराहे के पास एक व्यस्त सड़क पर 10 फीट से बड़ा गड्ढा बन गया. यह सड़क भोपाल की सबसे व्यस्त सड़कों में से एक है और इसके नीचे एक पुराना नाला बह रहा है। बताया गया कि यह सड़क लोक निर्माण विभाग के अधीन आती है. गड्ढा सुबह से हो रही बारिश के बाद बनने की बात सामने आई है.हाल ही में भोपाल की सड़कों पर गड्ढों को लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह के बयान, जब तक सड़कें रहेंगी, तब तक गड्ढे रहेंगे, की भी चर्चा हो रही है। इससे पहले ग्वालियर शहर की चेतकपुरी रोड भी चर्चा का विषय बन गई थी. यहां बारिश के चलते 4 करोड़ रुपए की नई बनाई गई सड़क पर गुफानुमा गड्ढे हो गए थे. इससे नगर निगम की काफी किरकिरी हुई थी

गहरे पानी से होकर स्कूल जाते हैं बच्चे, खटिया पर मरीजों को पहुंचाते हैं अस्पताल

दीनबन्धु ■ शिवपुरी
www.dinbandhunews.com

जिले के खनियाधाना जनपद पंचायत की बुकर्रा ग्राम पंचायत का मजरा वागपुरा गांव आज भी विकास से कोसों दूर है। गांव में न पक्का रास्ता है, न बिजली। ग्रामीणों को रोज तीन फीट गहरे तालाब नुमा पानी से होकर गुजरना पड़ता है। इसी खतरनाक रास्ते से बच्चे भी स्कूल जाते हैं।

पहले गांव से बाहर जाने का रास्ता खेतों से होकर था, लेकिन वह भी अब बंद है। बीमार पड़ने पर मरीजों को खटिया पर ले जाना पड़ता है। संकरे रास्ते पर बारिश में हादसे का खतरा और बढ़ जाता है। बारिश के दिनों में रास्ता पूरी तरह डूब जाता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है।

ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन लाइन, लेकिन बिजली नहीं इतना ही नहीं, गांव के ऊपर से हाई टेंशन लाइन गुजरती है, लेकिन बिजली की सुविधा नहीं है। अंधेरे में सांप-बिच्छुओं का खतरा रहता है। बच्चे रात में पढ़ाई नहीं कर पाते। आधुनिक सुविधाओं से वंचित ग्रामीणों को हर छोटे काम के लिए जान जोखिम में डालनी पड़ती है।

राजधानी एसप्रेस में हुई 12 लाख की चोरी का खुलासा

ऑनलाईन सट्टे के कर्ज में फंसा व्यवसायी करने लगा ट्रेनों में चोरी

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

ऑनलाईन सट्टा खेलने के कारण कर्ज में डूबा एक कपड़ा व्यवसायी ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने लगा। पिछले दिनों उसने राजधानी एसप्रेस में सफर करने वाली एक बुजुर्ग महिला का पर्स चोरी कर लिया, जिसमें नकदी समेत 12 लाख रुपए के जेवरात रखे हुए थे। कई दिनों की मशकत के बाद जीआरपी ने उसे भोपाल स्टेशन से दबोच लिया। आरोपी के पास से चोरी किया गया माल बरामद कर लिया गया है। उससे पूछताछ कर ट्रेनों में हुई चोरी की अन्य वारदातों का पता लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार रामपुरा दिल्ली निवासी ओमप्रकाश (65) अपनी पत्नी के साथ राजधानी एसप्रेस के कोच नंबर बी-9 में सिकंदराबाद से हजरत निजामुद्दीन की यात्रा कर रहे थे। भोपाल रेलवे स्टेशन निकलने के बाद उनकी पत्नी ने देखा तो सीट पर रखा लेडीज पर्स गायब था। चोरी गए पर्स में 4 सोने के कड़े, 1 सोने का सेट, 1 मगंलसूत्र सोने का, 1 जोड़ी झुमकी सोने की, 1 चांदी का न्यू कड़ा, 15000 हजार रुपए नकद, एक मोबाइल फोन समेत करीब 12 लाख रुपये का सामान रखा हुआ था। ओमप्रकाश ने इस मामले की शिकायत दिल्ली जीआरपी में की थी, जहां से डायरी आने के बाद भोपाल जीआरपी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया था। करीब एक सह्रश्वताह की कड़ी मशत के बाद पुलिस ने आरोपी दीपक तुलसवानी (×7) निवासी थाना चकरभाटा, जिला बिलासपुर छीसगढ़ को गिरतार किया है। उसके पास से चोरी किया गया माल बरामद कर लिया गया है।

व्यवसाय बंद हुआ तो करने लगा वारदात

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि आरोपी दीपक बिलासपुर में कपड़े की दुकान चलाता था। व्यवसाय में खाटा होने के कारण वह ऑनलाईन कपड़े का व्यापार करने लगा। इसी दौरान उसे ऑनलाईन सट्टे की लत लग गई, जिससे बाद वह बुरी तरह से कर्जे में डूब गया। रकम की भरपाई के लिए जब कोई रास्ता नहीं सूझा तो वह ट्रेनों में चोरियां करने लगा।

सीसीटीवी कैमरों से मिला सुराग

पूछताछ में पता चला कि आरोपी एसी कोच में सीट तलाशने के बहाने से प्रवेश करता था। इस दौरान वह रैकी करते हुए जाता और सामान चोरी कर दूसरे गेट से नीचे उतर जाता था। पुलिस ने जब स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तो पता चला कि एक व्यति दोनों तरफ जाने वाली ट्रेनों में सवार होने के बाद उतर जाता है। इसी आधार पर विगत दिवस उत संदेही वारदात की नीयत से दोबारा से भोपाल पहुंचा तो जीआरपी ने उसे दबोच लिया। आरोपी से अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ की जा रही है। उसे गिरतार करने में थाना प्रभारी जहीर खान, एसआई उइके, हेड कांस्टेबल अनिल सिंह, संजय धाकड़, राजेश शर्मा, आरक्षक सचिन जाट, बृजेश विश्वकर्मा, अनूप जाट, आकाश परमार की सराहनीय भूमिका रही है।

अब एकल परीक्षा से भरे जाएंगे सभी विभागों के पद

ढाई लाख सरकारी रिक्त पदों पर भर्ती का टारगेट

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

मप्र के सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों को भरने के लिए सरकार अब मिशन मोड में काम करेगी। गौरतलब है कि सरकार ने ढाई लाख सरकारी रिक्त पदों पर भर्ती का टारगेट रखा है। इसके लिए मोहन सरकार सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली चयन परीक्षा में बड़ा परिवर्तन करने जा रही है। राज्य लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से होने वाली भर्ती परीक्षाएं अब बार-बार नहीं होंगी। संघ लोक सेवा आयोग की तर्ज पर वर्ष में एक बार परीक्षा होगी और सभी श्रेणी के पदों के लिए मेरिट के हिसाब से सूची बन जाएगी। प्रतीक्षा सूची भी एक ही रहेगी। इसके लिए पदों की संख्या सभी विभागों से वर्ष में एक बार पूछ ली जाएंगी और उसके आधार पर सितंबर में कैलेंडर निर्धारित हो जाएगा। जनवरी 2026 से

चयन की यह प्रक्रिया लागू करने की तैयारी में सामान्य प्रशासन विभाग जुटा है।

जानकारी के अनुसार, अपर मुख्य सचिव जीएडी संजय शुक्ला ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक पर रिक्त पदों के संबंध में भर्ती को लेकर जरूरी निर्देश दिए हैं। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए अलग-अलग परीक्षाएं कराने की बजाय सरकार एकल परीक्षा के माध्यम से रिक्त पर भरने की तैयारी कर रही है। इस परीक्षा के माध्यम से सभी विभागों के विभिन्न रिक्त पदों के लिए एक ही मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एक वर्ष में एक ही भर्ती परीक्षा कराए जाने के संबंध में प्रारंभिक दौर की चर्चा कर चुके हैं। इस संबंध में आगे सीनियर अधिकारियों के बीच कई दौर की चर्चा के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

18 महीने में 30 हजार रिक्त पदों पर भर्ती

मप्र सरकार ने पिछले साल पांच वर्ष में ढाई लाख सरकारी रिक्त पदों पर भर्ती करने का निर्णय लिया था। पिछले 18 महीने में प्रदेश में 30 हजार सरकारी रिक्त पदों पर भर्ती की गई है। इनमें मप्र लोक सेवा आयोग की भर्ती परीक्षाओं के माध्यम से भरे गए 5600 पद भी शामिल हैं। शेष 24 हजार से ज्यादा क्लास-श्री के रिक्त पद कर्मचारी चयन मंडल की भर्ती परीक्षाओं के जरिए भरे गए हैं। मप्र में विभिन्न विभागों में एक लाख 4 हजार सरकारी पद रिक्त हैं। एक साल में इनमें से 27 हजार रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसकी तैयारियां तेज कर दी है। अपर मुख्य सचिव जीएडी संजय शुक्ला ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक पर रिक्त पदों के संबंध में भर्ती को लेकर जरूरी निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि तत्कालीन सीएम शिवराज ने दो चरणों में डेढ़ लाख रिक्त पदों पर भर्ती की घोषणा की थी। उन्होंने पहली बार 15 अगस्त, 2022 को घोषणा की थी कि एक साल के भीतर एक लाख सरकारी रिक्त पदों पर भर्ती होगी। इन पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल ही रही थी कि शिवराज सिंह ने जून, 2023 में 50 हजार रिक्त पदों पर और भर्ती की घोषणा कर दी थी, लेकिन सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी करीब 67 हजार पदो पर भर्ती की जा सकी।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3,पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II ,करोंद-जिला भोपाल 462038 (म .प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादक: दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल । (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578